www.tamsasanket.com

वर्षः 06 || अंक 158 || लखनऊ

बुधवार

09 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2

आज़ादी का अमृत महोत्सव

https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:49
सूर्यास्तः 06:17
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 27°00

पेज 07 »

विशेष समाचार ई-बाजारः सुविधा से आगे ... » पेज 04 | 9वीं की छात्रा की मौत पर हंगामा... » पेज 06 | रणबीर को राम के रूप में स्वीकार ...

धुरंधर के गाने पर मोदी की एंट्री, रैंप पर चले, जेन-जी संवाद में राहुल पर तंज, इनमें 22% वोटर जेन-जी

झूठ की गूंज से भटकाने वाले हर चौराहे पर मिलेंगे : मोदी

कार्यक्रम

35 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट का उद्घाटन

तमसा संकेत, एजेंसी

वडोदरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वडोदरा में जेन-जी से 25 मिनट संवाद किया। इस कार्यक्रम के लिए 6 हजार युवाओं को बुलाया गया था। मोदी ने युवाओं से झूठे दावों और भ्रामक बातों से बचने की अपील की। पीएम ने कहा, 'लोग आपको झूठ की गूंज से गुमराह करने की कोशिश करेंगे, लेकिन आप सच्चाई के साथ खड़े रहना।" भाषण से पहले PM रैंप पर चलकर युवाओं के बीच पहुंचे। मंच पर पहुंचते ही क्वीन का मशहूर गाना 'वी विल रॉक यू' बजाया गया।

» (शेष पेज 06 पर)

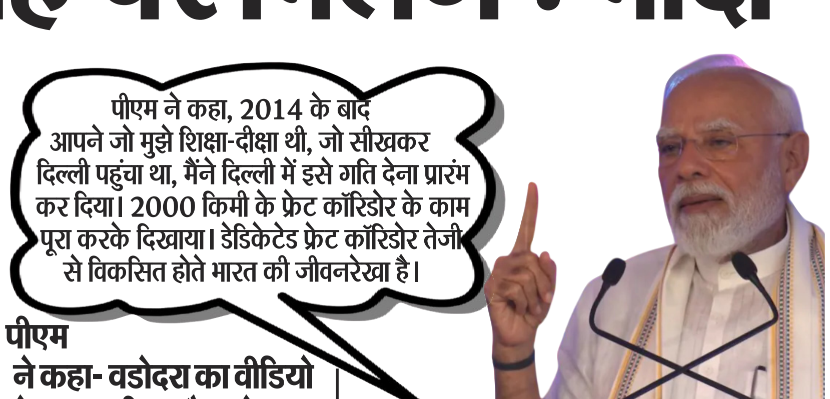

पीएम ने कहा- वडोदरा का वीडियो देखकर सीना चौड़ा हो गया

पीएम मोदी ने कहा, 'मैं कल एक वीडियो देख रहा था। क्या ही मेरा वडोदरा है, सीना चौड़ा हो गया। पिछले एक हफ्ते से स्वच्छता का वातावरण बन गया है। जब गणेशजी पधारेंगे तो सारे आशीर्वाद वडोदरा पर बरसने वाले हैं। इस बार लाल किले से संकल्प की सप्तधारा का आह्वान किया था। विकसित भारत के लिए हमें ऐसी कनेक्टिविटी चाहिए, जो सुगम और जमाने के हिसाब से तेज भी हो।'

मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट-जी.एफएफ 2026 का शुभारंभ करेंगे

पीएम शाम को मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट-जी.एफ.एफ 2026 का शुभारंभ करेंगे।

दुनिया के सबसे बड़े और प्रभावशाली सालाना फिनटेक सम्मेलनों में से एक, जी.एफ.एफ का इस बार का विषय है- 'पोटेंशियल टू इम्पैक्टः एजेंटिक एआई, टोकनाइजेशन, क्वांटम – ट्रस्टेड, कनेक्टेड, ग्लोबल सिस्टम्स फॉर इन्क्लूसिव फाइनेंस'।

प्रधानमंत्री सम्मेलन को संबोधित भी करेंगे।

मोदी ने कहा- 2004 में विचार, 2014 तक फाइलें चलती रहीं

1. फ्रेट कॉरिडोर पर 'नाराज फूफाजी' वाला तंज: JNPT मुंबई से डबल कंटेनर मालगाड़ी चलने से एक बार में 250 से ज्यादा ट्रकों के बराबर माल मुंबई से वडोदरा पहुंचा। अब "नाराज फूफाजी" पूछेंगे कि ट्रक वालों का क्या होगा, लेकिन देश के एक कोने से दूसरे कोने तक माल पहुंचाने के लिए ऐसी कनेक्टिविटी जरूरी है।

2. 2,000 किमी फ्रेट कॉरिडोर का काम पूरा: डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर 2004 में विचार शुरू हुआ और 2006 में विशेष कंपनी बनाई गई, लेकिन 2014 तक सिर्फ फाइलें एक टेबल से दूसरी टेबल तक जाती रहीं। 2014 के बाद हमारी सरकार ने इस प्रोजेक्ट को गति दी और करीब 2,000 किमी फ्रेट कॉरिडोर का काम पूरा किया।

3. पैसेंजर और मालगाड़ियों के लिए अलग-अलग ट्रैक: पहले पैसेंजर और मालगाड़ियां एक ही ट्रैक पर चलती थीं, जिससे दोनों की रफ्तार प्रभावित होती थी। अब डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर रोज करीब 430 मालगाड़ियां चल रही हैं। ट्रक से सामान भेजने में करीब 30 घंटे लगते हैं, जबकि फ्रेट कॉरिडोर से करीब 10 घंटे में पहुंच सकता है।

4. AI का सुपरपावर के लिए इकोसिस्टम जरूरी: अगर भारत को AI का सुपरपावर बनना है तो इसके लिए पूरा इकोसिस्टम तैयार करना होगा। इसके लिए यूरेनियम और रेयर अर्थ मटेरियल की उपलब्धता बढ़ाने के साथ युवाओं की स्किल ट्रेनिंग और अपग्रेडेशन पर भी काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि स्किल पर फोकस किया जा रहा है।

जेन-जी से जुड़ने की कोशिश में भाजपा, कांग्रेस और संघ

- *भाजपाः इंस्टाग्राम और रील्स जैसे शॉर्ट-वीडियो फॉर्मेट के जरिए युवाओं तक पहुंच बढ़ाने पर जोर। प्रधानमंत्री मोदी ने जुलाई 2026 में मंत्रियों को युवाओं के लोकप्रिय प्लेटफॉर्म पर ज्यादा सक्रिय रहने की सलाह दी।*
- *कांग्रेसः 'छात्रों की गूंज' जैसे कार्यक्रमों के जरिए छात्रों और युवाओं से सीधे संवाद पर फोकस। पार्टी की कोशिश कैंपस और सोशल मीडिया दोनों माध्यमों से युवा मुद्दों को जोड़ने की है। राहुल गांधी ने इंस्टाग्राम पर 'आस्क मि एनीथिंग' शुरू किया, जिसमें छात्रों से सीधे सवाल पूछने और जवाब देने की अपील की।*
- *RSS: Gen Z तक सीधे पहुंचने के लिए संवाद कार्यक्रमों पर जोर। अगस्त 2026 में मोहन भागवत ने मुंबई में करीब 2,000 किशोरों से संवाद किया, जिसमें देशभर के 100 से ज्यादा शहरों से युवा शामिल हुए।*

पीएम ने कहा- विकास का उत्सव शुरू

पीएम ने कहा, 'महाराजा सयाजी राव यूनिवर्सिटी का ये मैदान...अलग-अलग फील्ड में काम करने वाले साथियों का साथ, विकास का उत्सव, ये सब साथ हो रहा है।

दिल्ली पीजी हादसा : राजधानी की सभी इमारतों की जांच होगी

एमसीडी ने 3 दिन में रिपोर्ट मांगी, सुप्रीम कोर्ट हादसे पर 10 सितंबर को सुनवाई करेगा

आदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

दिल्ली। दिल्ली में सत्य निकेतन बिल्डिंग हादसे के बाद नगर निगम (MCD) ने पूरी दिल्ली में इमारतों की जांच के आदेश दिए हैं। उधर, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह बिल्डिंग गिरने के हादसे पर 10 सितंबर को सुनवाई करेगा। कोर्ट ने कहा कि जरूरत पड़ने पर केस को हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर किया जाएगा। MCD ने सभी जोन के एग्जीक्यूटिव इंजीनियरों (बिल्डिंग) से अपने क्षेत्र की इमारतों का निरीक्षण कर 10 सितंबर तक रिपोर्ट देने को कहा है। सत्य निकेतन में रविवार को एक बिल्डिंग गिरने से 7 लोगों की मौत हुई थी और 6 लोग घायल हुए थे।

इसी हादसे के बाद यह आदेश जारी किया गया है। जांच के दौरान जुटाई गई जानकारी को दिल्ली हाईकोर्ट में 10 दिन के भीतर दाखिल किए जाने वाले हलफनामे में शामिल किया जाएगा।

» (शेष पेज 06 पर)

4 राज्यों में उपचुनाव का ऐलान, 6 अक्टूबर को वोटिंग

9 अक्टूबर को नतीजे, बंगाल की 2 विधानसभा और असम की एक लोकसभा सीट शामिल

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। चुनाव आयोग ने तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल की विधानसभा सीटों और असम की एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है।

इन सीटों पर 6 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे और 9 अक्टूबर को नतीजे आएंगे। कमीशन के मुताबिक, चुनाव की औपचारिक गजट अधिसूचना 9 सितंबर 2026 को जारी होगी। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 16 सितंबर है। वोटिंग 6 अक्टूबर को होगी। नतीजे 9 अक्टूबर को आएंगे। पूरी प्रक्रिया 11 अक्टूबर 2026 से पहले पूरी कर ली जाएगी। चुनाव से जुड़े जिलों में

आचार संहिता लागू हो गई है। शिलॉन्ग (मेघालय) और बशीरहाट (पश्चिम बंगाल) लोकसभा सीटों की तारीख घोषित नहीं हुई है। इस साल फरवरी में वॉयस ऑफ द पीपल पार्टी (वीपीपी) के सांसद रिकी एंड्र्यू जे. सिंगकान के निधन के बाद शिलॉन्ग सीट रिक्त हो गई थी। वहीं, सितंबर 2024 में तृणमूल कांग्रेस के सांसद हाजी शेख नूरुल इस्लाम के निधन के बाद से बशीरहाट सीट खाली है।

फास्ट न्यूज

रील बनाते समय ओवरब्रिज से 40 फीट नीचे गिरा युवक

सूरत। गुजरात के सूरत में रील बनाने के चक्कर में 21 साल का युवक 40 फीट ऊंचे ओवरब्रिज से नीचे गिर गया। गनीमत रही कि वह सीधे जमीन पर नहीं गिरा, बल्कि नीचे मौजूद ऑटो रिक्शा के शेड पर जा गिरा। इससे उसकी जान बच गई। घटना सोमवार की है, जिसका CCTV फुटेज मंगलवार को सामने आया।

कर्नाटक में घायल तेंदुए का रेस्क्यू टीम पर हमला

दावणगेरे। कर्नाटक के दावणगेरे जिले में एक घायल तेंदुए ने रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान वन विभाग के कर्मचारी पर हमला कर दिया। तेंदुआ हाईवे पर एक कार की टक्कर के बाद घायल हो गया था। वन विभाग की टीम जब उसका रेस्क्यू करने की कोशिश कर रही थी, तभी उसने एक अधिकारी पर हमला कर दिया। तेंदुए ने अधिकारी को जमीन पर गिरा दिया और पंजों से हमला कर दिया। घटना का वीडियो मंगलवार को सामने आया है। वन विभाग को सूचना मिली कि एक कार की टक्कर से तेंदुआ हाईवे पर घायल पड़ा है।

तेलंगाना विधानसभा में अधिकारी को हार्ट अटैक आया

हैदराबाद। हैदराबाद में तेलंगाना विधानसभा के अंदर मंगलवार को एक अधिकारी अचानक बेहोश होकर गिर गए। इसके बाद विधानसभा में अफरा-तफरी मच गई। पशुपालन मंत्री वकिटी श्रीहरि ने तुरंत उन्हें CPR दिया। मेडिकल स्टाफ को बुलाकर अधिकारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

राहुल का विमान पहली बार में लैंड नहीं हो पाया

दिल्ली से लखनऊ आ रहा था, 25 मिनट बाद दूसरी कोशिश में उतरा

- **लखनऊ एयरपोर्ट पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मिलने के लिए तमाम लोग पहुंचे थे।**
- **एयरपोर्ट पर राहुल का अजय राय ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान काफी धक्का-मुक्की हुई।**

तमसा संकेत, एजेंसी

दिल्ली। लखनऊ एयरपोर्ट पर दिल्ली से आ रही एअर इंडिया की

फ्लाइट AI-1717 मंगलवार दोपहर पहले प्रयास में लैंड नहीं हो पाई। विमान को गो-अराउंड कराना पड़ा। इसी विमान में कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी सवार थे। बताया जा रहा है कि विमान लैंडिंग के बिलकुल करीब था, तभी पायलट को लगा कि विमान सही तरीके से लैंड नहीं कर पा रहा है। ऐसे में उन्होंने लैंडिंग रोक दी और विमान को दोबारा ऊपर ले गए। इससे अचानक यात्रियों को तेज झटका लगा। कुछ देर के लिए यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए फिर से रनवे की तरफ आकर लैंडिंग की। दूसरी कोशिश में विमान सुरक्षित उतर गया। विमान में सवार सभी यात्री और क्रू सुरक्षित बताए जा रहे हैं। राहुल गांधी अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दो दिवसीय दौरे पर आए हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया की अभिजीत दीपके समेत दोनों स्पोक्सपर्सन से माफी और 2 करोड़ हर्जाने की मांग

दिमागी नक्सल विवाद में सीजेपी नेताओं पर केस

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने दिल्ली हाईकोर्ट में कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के नेताओं अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका के खिलाफ मानहानि का केस किया है। भाटिया ने मामले में 2 करोड़ रुपए के हर्जाने, माफी और विवादित पोस्ट को आगे शेयर करने पर रोक लगाने की भी मांग की है। दरअसल, सौरव दास ने एक पोस्ट शेयर की थी, जिसमें गौरव भाटिया

के नाम से बयान था कि CJP एक्टिविस्ट नीशू आजाद के पिता पर हमले का आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज दिमागी नक्सल है। स्वतंत्र में जातिवाद का जहर है और BJP का उनसे कोई संबंध नहीं है। भाटिया ने इसे फर्जी बताते हुए दास को 24 घंटे के अंदर पोस्ट डिलीट करने और बिना शर्त माफी मांगने का अल्टीमेटम दिया।

एआई से बना ग्राफिक बताकर सफाई

पोस्ट हटाने के बाद दास ने अपने X अकाउंट पर सफाई दी कि ग्राफिक AI से बनाया गया था। हालांकि, उन्होंने भाटिया से पूछा कि क्या वे AI से बनाए गए इस बयान से असहमत हैं। दास ने BJP पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी के सहयोगी चिराग पासवान ने भी स्वतंत्र भारद्वाज से खुद को अलग कर FIR दर्ज कराई है। उन्होंने सवाल किया कि BJP में कोई इस मुद्दे पर कुछ क्यों नहीं कह रहा और क्या पार्टी ऐसे लोगों का समर्थन कर रही है।

रांका पर पोस्ट आगे बढ़ाने का आरोप

CJP के सह-संयोजक आशुतोष रांका पर आरोप है कि उन्होंने दास के अकाउंट से ग्राफिक को दोबारा पोस्ट कर विवादित पोस्ट को आगे बढ़ाया। रांका ने इसके साथ BJP नेताओं का मजाक उड़ाने वाला कैप्शन भी लिखा।

पुष्टि : 11 सितंबर को पीएम मोदी के साथ मीटिंग, 9 महीने में दूसरी भारत यात्रा

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ब्रिक्समिट के लिए भारत आएंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन BRICS समिट में शामिल होने के लिए भारत आएंगे। नई दिल्ली में 12 सितंबर को BRICS नेताओं की बैठक से पहले 11 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पुतिन के बीच द्विपक्षीय मुलाकात होगी। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने मोदी और पुतिन की मुलाकात की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि रूस भारत को अपना रणनीतिक साझेदार मानता है और दोनों देशों के रिश्ते उसके लिए बेहद अहम हैं। पेस्कोव के मुताबिक, मोदी और पुतिन की बातचीत में व्यापार, आर्थिक सहयोग, परिवहन

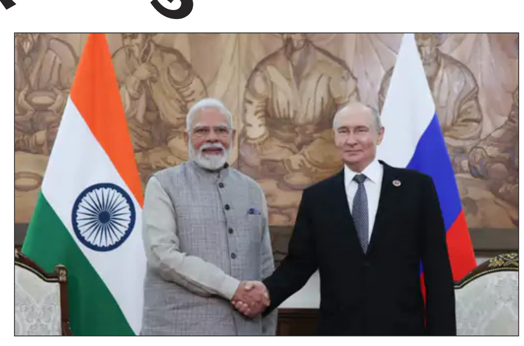

और दोनों देशों के बीच कारोबार बढ़ाने जैसे मुद्दे शामिल होंगे। दोनों देश अपनी कंपनियों के लिए नए कारोबारी मौके तलाशने पर भी चर्चा कर सकते हैं। मोदी और पुतिन की बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध भी चर्चा का अहम मुद्दा हो सकता है। दोनों नेता युद्ध की मौजूदा स्थिति और उसके वैश्विक असर पर बातचीत कर सकते हैं। इसके अलावा फारस की खाड़ी में जारी तनाव पर भी चर्चा की संभावना है। रूस के मुताबिक, खाड़ी में हो रही घटनाओं का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। ऐसे में दोनों नेताओं के बीच क्षेत्रीय तनाव और उसके आर्थिक प्रभावों पर भी बात हो सकती है। भारत और रूस पहले से ब्रह्मोस मिसाइल समेत कई रक्षा परियोजनाओं पर साथ काम कर रहे हैं। ऐसे में Su-57 पर बातचीत दोनों देशों के रक्षा संबंधों को और मजबूत कर सकती है। पुतिन की यह 9 महीने में दूसरी भारत यात्रा है। इससे पहले वे 4 दिसंबर 2025 को आए थे। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह उनका पहला भारत दौरा था।

भारत को एसयू-57 लड़ाकू विमान बेचना रूस के एजेंडे में शामिल

बैठक में रक्षा सहयोग भी अहम मुद्दा रहेगा। रूस भारत को अपना Su-57 लड़ाकू विमान बेचने पर चर्चा करेगा। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा है कि भारत को Su-57 देने का मुद्दा रूस के एजेंडे में शामिल है। Su-57 रूस का पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान है। इसमें स्टील्थ तकनीक है, यानी इसे रडार पर पकड़ना मुश्किल होता है। यह हवा में और जमीन पर मौजूद लक्ष्यों पर हमला कर सकता है। इसमें आधुनिक रडार और सेंसर भी लगे हैं।

मोदी ने पुतिन को रूसी भाषा में लिखी भगवद्गीता भी गिफ्ट की थी। अगले दिन दोनों नेताओं के बीच वार्षिक शिखर बैठक हुई थी, जिसमें रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और आर्थिक सहयोग पर चर्चा हुई थी।

राम मंदिर बनने से भौचक हैं सपा-कांग्रेस : सीएम योगी

ये विरासत और विकास दोनों का विरोध करते हैं

समारोह

4000 रुपये की वृद्धि का ऐलान किया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अयोध्या के राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के सम्मान समारोह में विपक्ष पर जमकर हमला बोला। सपा-कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि राम मंदिर बनने और अयोध्या में विकास कार्य होने से सपा और कांग्रेस के लोग भौचक हैं। दुनिया राम के प्रति विभोर है और रामलला के अयोध्या धाम में विराजमान होने को

लेकर पूरी दुनिया में उत्साह है, लेकिन सपा और कांग्रेस के यहां अभी भी वीरानी छाई है। उन्होंने कहा कि ये लोग समझ नहीं पा रहे कि अयोध्या में रामलला का मंदिर कैसे बन गया, सड़कें चौड़ी कैसे हो गईं, रेलवे स्टेशन का विकास कैसे हो गया और महर्षि वाल्मीकि के नाम पर इतना बड़ा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट कैसे बन गया। योगी ने कहा कि सपा का एक चेहरा वह भी था, जब उसने प्रभु श्रीराम का विरोध किया था। अयोध्या में राम मंदिर न बने, इसके लिए

प्रशस्त 2.0 से समावेशी शिक्षा को नई ताकत

2.04 लाख शिक्षक सेन्सिटाइजेशन वीडियो देखकर हुए ऑनबोर्ड

अभियान

- 2,03,823 शिक्षक प्रशस्त 2.0 से जुड़े, रामपुर में 44.38%, झांसी में 39.27% और पीलीभीत में 31.95% शिक्षक हुए ऑनबोर्ड
- सभी बोर्डों के सरकारी, परिषदीय, प्राइवेट एडेड और प्राइवेट अनएडेड विद्यालयों के शिक्षक होंगे शामिल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समावेशी शिक्षा को मजबूत करने के लिए शिक्षकों को बच्चों की जरूरतों के प्रति संवेदनशील बनाने पर विशेष जोर दे रही है। इसी दिशा में प्रशस्त 2.0 के माध्यम से बच्चों की स्क्रीनिंग से पहले शिक्षकों को सेन्सिटाइजेशन वीडियो से जोड़ने का अभियान गति पकड़ रहा है।

आंकड़ों के अनुसार अब तक 2,03,823 शिक्षक प्रशस्त 2.0 पर ऑनबोर्ड हो चुके हैं तथा वीडियो देख रहे हैं, इनमें रामपुर में 44.38 प्रतिशत, झांसी में 39.27 प्रतिशत, पीलीभीत में 31.95 प्रतिशत, शाहजहांपुर में 28.42 प्रतिशत और बलिया में 24.74 प्रतिशत शिक्षकों की सहभागिता दर्ज हुई है। इसके अलावा फतेहपुर, मथुरा, गोंडा, सीतापुर, बरेली और बस्ती की भी अच्छी सहभागिता रही।

यह डिजिटल पहल शिक्षक को संवेदनशील, सजग और सक्षम बनाकर विद्यालयों में अधिक सहयोगी वातावरण तैयार करने तथा दिव्यांग बच्चों की समावेशी शिक्षा को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। राज्य स्तर से सभी मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को संबंधित शिक्षकों को सेन्सिटाइजेशन वीडियो देखने के लिए निर्देशित करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशस्त 2.0 के माध्यम से सरकारी और परिषदीय विद्यालयों के साथ प्राइवेट एडेड एवं प्राइवेट अनएडेड विद्यालयों को भी एक समान प्रक्रिया से जोड़ा जा रहा है। इससे बच्चों की स्क्रीनिंग से पहले शिक्षक स्तर पर संवेदनशीलता और समझ को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

लगभग 40 मिनट के 10 वीडियो से स्क्रीनिंग से पहले होगा शिक्षकों का सेन्सिटाइजेशन

> प्रशस्त 2.0 के माध्यम से शिक्षकों को बच्चों की विविध आवश्यकताओं को समझने और उनके प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर मिल रहा है। सेन्सिटाइजेशन वीडियो के माध्यम से शिक्षक बच्चों की विशिष्ट आवश्यकताओं की स्क्रीनिंग प्रक्रिया को अधिक समझदारी और संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ा सकेंगे। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक विद्यालय में समावेशी और सहयोगी वातावरण मजबूत हो।
>
> **श्रीमती मोनिका रानी, महानिदेशक स्कूल शिक्षा, उत्तर प्रदेश**

40 मिनट में 10 वीडियो से संवेदनशीलता

प्रशस्त एप एवं पोर्टल पर लगभग 40 मिनट के कुल 10 सेन्सिटाइजेशन वीडियो उपलब्ध हैं। राज्य के सभी बोर्डों के सरकारी/परिषदीय, प्राइवेट एडेड और प्राइवेट अनएडेड विद्यालयों के शिक्षकों को ये वीडियो देखना अनिवार्य किया गया है। बच्चों की स्क्रीनिंग से पहले शिक्षकों में आवश्यक संवेदनशीलता और समझ विकसित करना इस प्रक्रिया का प्रमुख उद्देश्य है।

बदायूं चिटफंड मामले में फरार 50 50 हजार के इनामी गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

- लखनऊ में छिपकर रह रहे थे, हजारों निवेशकों से रकम जमा कराकर फरार हुए थे

लखनऊ। एसटीएफ ने बदायूं के चिटफंड से जुड़े मामलों में फरार चल रहे 50-50 हजार रुपए के दो इनामी आरोपियों को लखनऊ से गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी दिल्ली में करीब आठ महीने तक छिपने के बाद कृष्णानगर के मानस नगर इलाके में रह रहे थे। एसटीएफ नोएडा की टीम ने सोमवार शाम करीब 5:40 बजे दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बदायूं निवासी शशिकांत (58) और सूर्यकांत (50) के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ बदायूं के कोतवाली थाने में साल 2025 में चार मुकदमे दर्ज हैं। इन मामलों में दोनों लंबे समय से फरार चल रहे थे। उनकी गिरफ्तारी के लिए 50-50 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। एसटीएफ के अनुसार, शशिकांत ने साल 1988 में बदायूं के जालंधरी सराय इलाके में किराने की दुकान शुरू की थी। साल 2004-05 के बाद उसने एक फाइनेंस कंपनी में फील्ड एजेंट के रूप में काम किया। इसके बाद उसने 'अमर ज्योति हायर परचेज' नाम से अपनी कंपनी शुरू की। कंपनी के जरिए लोगों से शेयरों में निवेश कराने और पर्सनल लोन देने का काम किया जाता था। पूछताछ में सामने आया कि साल 2016 में आरोपियों ने 'अमर ज्योति यूनिवर्स निधि लिमिटेड' नाम से एक कंपनी बनाई।

फास्ट न्यूज

बलरामपुर-सिविल अस्पताल में सफाई कर्मचारियों ने काम रोका

लखनऊ। लखनऊ के बलरामपुर अस्पताल, सिविल अस्पताल समेत सरकारी अस्पतालों में मंगलवार को सफाई कर्मचारियों ने काम ठप कर दिया। कर्मचारी उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम में शामिल करने और लंबित वेतन बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं। सफाई कर्मचारियों के काम बंद करने से अस्पतालों की सफाई व्यवस्था प्रभावित हुई। कई जगह कूड़ा और गंदगी दिखाई दी।

सपा प्रदेश मुख्यालय पहुंचे महाराष्ट्र अध्यक्ष अबू आजमी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी मंगलवार को लखनऊ स्थित सपा प्रदेश मुख्यालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सहारनपुर में मस्जिद पर हुई बुलडोजर कार्रवाई को लेकर सरकार पर निशाना साधा। आजमी ने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग विकास के मुद्दों से ध्यान भटकाकर हिंदू-मुस्लिम के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। अबू आसिम आजमी ने कहा कि सरकार का विकास से कोई मतलब नहीं है और वह केवल हिंदू-मुस्लिम के मुद्दे के सहारे चुनाव जीतना चाहती है।

मोहिबुल्लापुर में माता रानी का जागरणसमां

लखनऊ। लखनऊ में मोहिबुल्लापुर में श्री कृष्ण जन्मोत्सव के चतुर्थ दिवस पर सोमवार को माता रानी का भव्य जागरण आयोजित किया गया। मारुति नंदन श्री कृष्ण लीला मैदान ट्रस्ट की ओर से हुए कार्यक्रम में आदित्य मधुर, सिद्धेश्वर अवस्थी, मयंक शुक्ला और आरती सोनी ने भजनों की प्रस्तुति दी। स्थानीय बाल कलाकारों ने भी मंच पर प्रतिभा दिखाई।

राज्य स्तरीय पुरस्कार-2026 के लिए आवेदन आमंत्रित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश सरकार के दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उ0प्र0 द्वारा दिव्यांगजनों व उनके सशक्तीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों व संस्थाओं को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय पुरस्कार-2026 प्रदान करने का प्राविधान है। विभाग द्वारा 03 दिसंबर, 2026 को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर विभिन्न श्रेणियों में राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इन पुरस्कारों के लिए कुल 12 श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। प्रत्येक पुरस्कार के लिए 25,000.00 की धनराशि निर्धारित की गयी है।

राज्य स्तरीय पुरस्कार के अंतर्गत दक्ष दिव्यांग कर्मचारी/स्वनियोजित दिव्यांगजन, सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता, सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट अधिकारी या एजेंसी, सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति/संस्था, प्रेरणास्रोत एवं सृजनशील दिव्यांग बालक/बालिका, दिव्यांग खिलाड़ी, दिव्यांगजनों के लिए बाधारहित वातावरण के सृजन हेतु सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले तथा दिव्यांगजनों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ जिला आदि श्रेणियों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का चयन किया जाएगा। राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु आवेदन जिलाधिकारी की संस्तुति के साथ 15 सितंबर, 2026 तक निदेशालय, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, कक्ष संख्या-1010, दशम तल, इन्दिरा भवन, अशोक मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ में कर सकते हैं। इच्छुक व्यक्ति/संस्थाएं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उ0प्र0 की विभागीय वेबसाइट ःूण्नचीूकण्हव-अण्पद अथवा हेल्पलाइन नंबर 18001801995 के माध्यम से राज्य स्तरीय पुरस्कार-2026 के सन्दर्भ में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए, कोई भी पात्र पशुपालक योजना से वंचित न रहे-धर्मपाल सिंह

पशुधन बीमा योजना में पशुपालकों को मिलेगी सरल और पारदर्शी सुविधा

- अनावश्यक तकनीकी औपचारिकताओं के कारण वास्तविक दावों को अस्वीकार न किया जाए

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में नवीन राज्य योजना 'मुख्यमंत्री जोखिम प्रबंधन एवं पशुधन बीमा योजना' को वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रभावी, पारदर्शी और पशुपालक हितैषी ढंग से लागू करने के लिए आज पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री श्री धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में विधान भवन स्थित कार्यालय कक्ष में पशुधन विभाग एवं बीमा कंपनियों के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। मंत्री ने सुझाव दिया कि बीमा प्रीमियम यथासंभव कम रखा जाए, ताकि पशुपालकों पर न्यूनतम आर्थिक बोझ पड़े और अधिक से अधिक पशुओं को बीमा सुरक्षा मिल सके। सिंह ने कहा कि बीमा कराने से लेकर क्लेम प्राप्त करने तक की पूरी प्रक्रिया सरल, सुविधाजनक और पारदर्शी होनी चाहिए। अनावश्यक तकनीकी औपचारिकताओं के कारण वास्तविक दावों को अस्वीकार न किया जाए तथा क्लेम का भुगतान समयबद्ध एवं निष्पक्ष तरीके से सुनिश्चित किया जाए। जनपद स्तर पर पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध कराने और पॉलिसी संबंधी जानकारी पशुपालकों को तत्काल उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। योजना के तहत बड़े पशुओं में स्वदेशी/संकर दुधारू एवं भारवाहक पशु तथा छोटे पशुओं में सूकर, बकरी और भेड़ शामिल होंगे। एक परिवार के लिए 25 बड़े पशु इकाई तक बीमा कवरेज का प्रावधान है। एक बड़े पशु इकाई को 10 छोटे पशु इकाई के बराबर माना गया है। बैठक में पशुओं के अधिकतम मूल्य के संबंध में वर्गीकृत नस्ल की भैंस के लिए 75 हजार रुपये, गाय के लिए 65 हजार रुपये और छोटे पशुओं के लिए 6,500 रुपये तक के अधिकतम मूल्य पर भी चर्चा हुई।

कम प्रीमियम, समयबद्ध क्लेम भुगतान और सरकारी योजनाओं को प्राथमिकता दी जाये

राज्य सरकार की 85 प्रतिशत और लाभार्थी की केवल 15 प्रतिशत सहभागिता

मंत्री ने कहा कि योजना में राज्य सरकार की 85 प्रतिशत और लाभार्थी की केवल 15 प्रतिशत सहभागिता होगी। उन्होंने बीमा कंपनियों को 01, 02 और 03 वर्ष की अवधि के विकल्प उपलब्ध कराने तथा राज्य सरकार की योजनाओं एवं डेयरी उन्मुख योजनाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। विशेष रूप से नंद बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ संवर्धन योजना, मिनी नंदिनी कृषक समृद्धि योजना और नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के लाभार्थियों के क्रमशः 02, 10 और 25 स्वदेशी गायों के बीमा को प्राथमिकता देने को कहा।

मंत्री ने कहा कि योजना की सफलता के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ गांव स्तर तक पहुंच सुनिश्चित की जाए, ताकि कोई भी पात्र पशुपालक जानकारी के अभाव में योजना से वंचित न रहे।

उत्तर प्रदेश को देश का प्रमुख वस्त्र एवं परिधान उद्योग हब बनाने के लिए योगी सरकार प्रतिबद्ध : राकेश सचान

वस्त्र क्षेत्र प्रशिक्षण एवं कौशल विकास योजना का हुआ शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

यू.पी. टेक्स-2026 का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया शुभारंभ, निवेश, रोजगार और निर्यात बढ़ाने पर उद्योग जगत के साथ हुआ मंथन 'यू.पी. टेक्स मित्र' पोर्टल, हथकरघा बुनकर समृद्धि योजना और वस्त्र क्षेत्र प्रशिक्षण एवं कौशल विकास योजना का हुआ शुभारंभ

लखनऊ । उत्तर प्रदेश को देश के प्रमुख वस्त्र एवं परिधान उद्योग केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में योगी सरकार ने एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। मंगलवार को लखनऊ स्थित इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में दो दिवसीय यू.पी. टेक्स-2026 का भव्य शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री द्वारा 'यू.पी. टेक्स मित्र' पोर्टल, हथकरघा बुनकर समृद्धि योजना तथा उत्तर प्रदेश वस्त्र क्षेत्र प्रशिक्षण एवं कौशल विकास योजना का शुभारंभ किया गया। इसके साथ ही निवेश संबंधी पत्रों एवं चेक का वितरण तथा समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान भी किया गया।

कार्यक्रम में हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग, खादी एवं ग्रामोद्योग तथा रेशम उद्योग मंत्री राकेश सचान ने प्रदेश में वस्त्र एवं परिधान उद्योग की संभावनाओं, सरकार की नीतियों तथा निवेशकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की स्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में वस्त्र एवं परिधान उद्योग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए सरकार उद्योग जगत के साथ मिलकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि ''परंपरा को पैशन बनाएं और स्वदेशी का दम दिखाएं'' की भावना के साथ प्रदेश की पारंपरिक कला, हथकरघा, हस्तशिल्प और आधुनिक वस्त्र उद्योग को वैश्विक बाजार से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

116 निवेशकों को करीब 322 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन

मंत्री राकेश सचान ने कहा कि प्रदेश की औद्योगिक नीति केवल कागज तक सीमित न रहे, बल्कि निवेशकों को निर्धारित प्रोत्साहन वास्तविक रूप से समय पर मिले, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट निर्देश है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 की वस्त्र उद्योग नीति के अंतर्गत लगभग 116 निवेशकों को करीब 322 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन दिए गए हैं। वर्ष 2022 की नीति के तहत भी लगभग 96 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन वितरित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश की वस्त्र उद्योग नीति के तहत पूंजीगत सब्सिडी, स्टांप ड्यूटी में छूट, ब्याज में सब्सिडी, भूमि एवं विद्युत संबंधी रियायतों सहित विभिन्न सुविधाएं उद्यमियों को उपलब्ध कराई जा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय मेलों में भाग लेने वाले प्रदेश के उद्यमियों को भी विभाग द्वारा 90 प्रतिशत तक की सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

लखनऊ यूनिवर्सिटी की हॉस्टल फीस 4 गुना बढ़ी

विरोध प्रदर्शन, डीन बोले- सरकार से फंड लेकर आइए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय में रणवीर सिंह बिष्ट हॉस्टल की फीस बढ़ोतरी के विरोध में मंगलवार को दोपहर बाद छात्रों ने मैत्री भवन के बाहर रास्ता रोककर प्रदर्शन किया। हॉस्टल की सालाना फीस 7 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रुपए करने पर छात्रों ने नाराजगी जताई।

प्रदर्शन के दौरान डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर अमिता कनौजिया ने छात्रों से कहा कि मांगों के लिए सरकार से फंड लेकर आएं और वहीं प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के पास छात्रों की मांगें पूरी करने के लिए पर्याप्त फंड नहीं है। छात्रों ने कहा कि फीस में करीब चार गुना बढ़ोतरी की गई है। इसके अलावा 2 हजार रुपए सिक्योरिटी मनी भी ली जाएगी। छात्रों ने इतनी फीस के बदले मिलने वाली सुविधाओं पर भी सवाल उठाए। चीफ प्रॉक्टर आशीष अवस्थी ने फीस बढ़ोतरी का बचाव किया। उन्होंने कहा कि करीब दो साल बाद हॉस्टल का नवीनीकरण कराया गया है। छात्रों को नई सुविधाएं दी जाएंगी। इनमें वॉशिंग मशीन, नए वाटर कूलर, बेड, टेबल और कुर्सियां शामिल हैं। उन्होंने हॉस्टल को 'प्रीमियम हॉस्टल' बताया।

छात्रों ने इस दावे को खारिज किया। छात्र नेता शुभम खरवार ने कहा कि हॉस्टल को 'फाइव स्टार सुइट' जैसा बताया जा रहा है, जबकि यहां कई कमियां हैं। कमरों में जगह-जगह लीकेज है।

दर्जा : योगी सरकार ने बनाया यूपी अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष

मोहसिन रजा को मिली बड़ी जिम्मेदारी

तमसा संकेत, एजेंसी

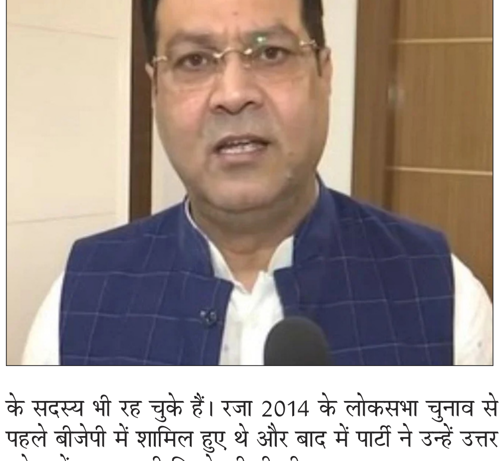

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने मोहसिन रजा को राज्य अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष बनाया है। इस संबंध में रविवार को राज्य सरकार की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है। मोहसिन रजा उत्तर प्रदेश में बीजेपी के प्रमुख चेहरों में शामिल हैं और तमाम मुद्दों पर मीडिया के सामने पार्टी का पक्ष मजबूती से रखते रहे हैं। रजा को कैबिनेट मंत्री रैंक का दर्जा दिया गया है।

मोहसिन रजा योगी आदित्यनाथ सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री रह चुके हैं। उन्हें अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ और हज से जुड़े विभागों की जिम्मेदारी दी गई थी।

रजा उत्तर प्रदेश में विधान परिषद के सदस्य भी रह चुके हैं। रजा 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी में शामिल हुए थे और बाद में पार्टी ने उन्हें उत्तर प्रदेश में प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी थी।

अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष के तौर पर मोहसिन रजा को मिली नई जिम्मेदारी बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अल्पसंख्यक आयोग का काम राज्य में अल्पसंख्यक समुदायों से जुड़े मुद्दों, उनकी शिकायतों और अधिकारों से जुड़े मामलों पर काम करना है। कैबिनेट मंत्री रैंक का दर्जा मिलने से मोहसिन रजा का राजनीतिक और प्रशासनिक कद भी बढ़ेगा।

इन्हें बनाया गया सदस्य

इसके अलावा संदीप जैन, अंशुमन कुमार सिंह मैसी, सरदार हनप्रीत सिंह बेदी, मोहम्मद असलम, सरदार परविंदर सिंह, नेहा खान, सैयद सेराज अब्बास रिजवी और रूमाना सिद्दीकी को अल्पसंख्यक आयोग में सदस्य बनाया गया है।

> उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव से पहले रजा की नियुक्ति को मुस्लिम समुदाय को साधने की कोशिश के तौर पर भी देखा जा रहा है। राजनीति में आने से पहले रजा क्रिकेट से भी जुड़े रहे हैं और उत्तर प्रदेश की ओर से रणजी ट्रॉफी में खेल चुके हैं।

लखनऊ में अज्ञात वाहन की टक्कर से युवती की मौत

मोहनलालगंज। लखनऊ के तेलीबाग मार्केट में मंगलवार सुबह अज्ञात वाहन की टक्कर से 21 वर्षीय युवती की मौत हो गई। हादसा वरदानी हनुमान मंदिर के सामने सुबह करीब छह बजे हुआ। टक्कर लगने के बाद युवती गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गई।

सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस से घायल तहसीन बानो (21) पुत्री खुर्शीद अहमद, निवासी ब्रिज विहार कॉलोनी, तेलीबाग को एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, पीजीआई पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए। परिजनों के मुताबिक, तहसीन गोमतीनगर में एक कॉल सेंटर में नौकरी करती थी। वह तीन बहनों में सबसे बड़ी थी। उसकी दो छोटी बहनें तहरीन बानो और अनाया हैं। पिता पिकअप भवन में गार्ड की नौकरी करते हैं। बेटी की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

दिव्यांगजनों को गुणवत्तापूर्ण सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग उपलब्ध

प्रदेश में चरणबद्ध रूप से आयोजित होंगे वितरण शिविर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रदेश के पात्र दिव्यांगजनों को योजना के अंतर्गत अनुमन्य विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद स्तर पर वितरण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में निदेशालय, दिव्यांगजन सशक्तीकरण, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा समस्त ज़िला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। प्रथम चरण के वितरण कार्यक्रम में कुल 75 जनपदों को दो समूहों में विभाजित किया गया है। प्रथम समूह में 41 जनपदों में 17 सितम्बर 2026 को वितरण शिविर आयोजित किए जाने की तिथि निर्धारित की गई है। इनमें आगरा, अलीगढ़, एटा, अयोध्या, सुलतानपुर, आजमगढ़, बरेली, बदायूं, बांदा, देविरया, कुशीनगर, गोंडा, झांसी, कानपुर नगर, उन्नाव, मेरठ, मुरादाबाद, सहारनपुर, जौनपुर, गोरखपुर, कन्नौज, प्रयागराज, शामली, वाराणसी, मिर्जापुर, गाजीपुर, सिद्धार्थनगर, श्रावस्ती, फतेहपुर, प्रतापगढ़, संतकबीर नगर, बिजनौर, इटावा, हापुड़, ललितपुर, मथुरा, रामपुर, सीतापुर, कौशाम्बी, हरदोई एवं बुलन्दशहर जनपद सम्मिलित हैं। इसी तरह द्वितीय समूह में 34 जनपदों के लिए 02 अक्टूबर 2026 को वितरण शिविर आयोजित करने की तिथि का निर्धारण किया गया है। इस समूह में लखनऊ, गौतमबुद्धनगर, चन्दौली, बलरामपुर, चित्रकूट, अम्बेडकर नगर, अमरोहा, फिरोजाबाद, जालौन, कानपुर देहात, खीरी, महाराजगंज, मऊ, पीलीभीत, रायबरेली, सम्भल, शाहजहांपुर, सोनभद्र, अमेठी, औरैया, बागपत, बाराबंकी, भदोही, फर्रुखाबाद, गाजियाबाद, हमीरपुर, हाथरस, कासगंज, महोबा, मुजफ्फरनगर, बहराइच, बलिया, बस्ती एवं मैनपुरी आदि जनपदों को सम्मिलित किया गया हैं। विभाग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार द्वितीय चरण 20 अक्टूबर 2026 से 15 नवम्बर 2026 तक तथा तृतीय चरण 03 दिसम्बर 2026 से 15 दिसम्बर 2026 तक प्रदेश के समस्त जनपदों में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वितरण शिविर आयोजित किए जाएंगे। दिव्यांगजन सशक्तिकरण निदेशालय द्वारा संबंधित ज़िला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार वितरण शिविरों के सफल आयोजन के लिए कार्ययोजना तैयार कर उस पर अतिशीघ्र क्रियान्वयन को सुनिश्चित करें।

सागर से अयोध्या तक जाएगी, राहुल गांधी के रायबरेली दौरे से पहले रायबरेली पहुंची

मंदिर चढ़ावे की चोरी के विरोध में रथ यात्रा

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। मध्य प्रदेश के सागर जिले से शुरू हुई रथ यात्रा मंगलवार को रायबरेली पहुंची। राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के विरोध में निकाली गई यह यात्रा अयोध्या तक जाएगी। यात्रा का नेतृत्व अधिवक्ता पीपी नायक कर रहे हैं। रायबरेली पहुंचने के बाद यात्रा को लेकर राजनीतिक चर्चाएं भी तेज हो गई हैं, क्योंकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रस्तावित रायबरेली दौरे से पहले यह यात्रा शहर पहुंची है। यात्रा के आयोजकों के अनुसार, इसका उद्देश्य राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के विरोध के साथ लोगों के बीच भाईचारे, एकता और सामाजिक सद्भाव का संदेश पहुंचाना है। यात्रा के रायबरेली पहुंचने पर इससे जुड़े कांग्रेस नेताओं और

समर्थकों ने धार्मिक आस्था के सम्मान की बात कही। रथ यात्रा की शुरुआत मध्य प्रदेश के सागर जिले की बीना तहसील से हुई।

यात्रा अलग-अलग क्षेत्रों से होकर रायबरेली पहुंची और अब इसका अगला पड़ाव अयोध्या बताया गया है। यात्रा से जुड़े लोगों का कहना है कि धार्मिक स्थलों और उनसे जुड़ी आस्थाओं को लेकर लोगों की भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। इसी संदेश को लेकर यात्रा के दौरान लोगों से एकता, भाईचारे और सद्भाव बनाए रखने की अपील की जा रही है।

कांग्रेस नेताओं ने भाजपा-आरएसएस पर लगाए आरोप

रथ यात्रा के दौरान कांग्रेस नेताओं ने भाजपा और आरएसएस पर भी निशाना साधा। नेताओं ने आरोप लगाया कि लोगों की धार्मिक भावनाओं और आस्था के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। कांग्रेस नेताओं की ओर से राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी का मुद्दा उठाते हुए इसे गंभीर विषय बताया गया। उनका कहना है कि धार्मिक स्थलों से जुड़े मामलों में लोगों के सामने स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए। हालांकि, भाजपा और आरएस-एस की ओर से इन आरोपों पर इस इनपुट में कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

पीपी नायक बोले- राम मंदिर और सनातन में कांग्रेस की आस्था

यात्रा का नेतृत्व कर रहे अधिवक्ता पीपी नायक ने कहा कि कांग्रेस की राम मंदिर और सनातन धर्म में आस्था रही है। उन्होंने अयोध्या और राम मंदिर से जुड़े कांग्रेस के पुराने संबंधों का भी उल्लेख किया। पीपी नायक ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और पीवी नरसिंह राव का जिक्र करते हुए कहा कि अयोध्या से कांग्रेस का संबंध पुराना रहा है। रायबरेली पहुंचने पर उन्होंने यहां की धरती को नमन किया और इसे कांग्रेस के लिए ऐतिहासिक महत्व वाली भूमि बताया। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल विरोध दर्ज कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके जरिए समाज में भाईचारे और सद्भाव का संदेश भी पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के रायबरेली से जुड़ाव का जिक्र

पीपी नायक ने अपने संबोधन में गांधी परिवार के रायबरेली से पुराने राजनीतिक जुड़ाव का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और राजीव गांधी का रायबरेली से गहरा संबंध रहा है। उन्होंने वर्तमान सांसद राहुल गांधी का भी जिक्र किया और कहा कि गांधी परिवार की राजनीतिक यात्रा में रायबरेली का विशेष स्थान रहा है। इसी वजह से रायबरेली पहुंचने को यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में देखा जा रहा है।

आयोजकों के मुताबिक, मध्य प्रदेश के सागर जिले से शुरू हुई यह यात्रा अब अयोध्या की ओर आगे बढ़ेगी। यात्रा का अंतिम उद्देश्य अयोध्या पहुंचना बताया गया है। अयोध्या पहुंचने के बाद रामलला के दर्शन किए जाएंगे। इसके साथ ही रथ यात्रा का समापन किया जाएगा। यात्रा के दौरान धार्मिक आस्था, भाईचारे और सामाजिक एकता से जुड़े संदेश को लोगों तक पहुंचाने की बात कही गई है।

सरयू खतरे के निशान से 48 सेमी ऊपर

60 गांवों पर बाढ़ का संकट, दूरसंचार केंद्र नदी में समाया

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में सरयू नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से रामनगर क्षेत्र में बाढ़ और कटान का संकट गहरा गया है। मंगलवार सुबह 8 बजे नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 48 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया। बाढ़ का पानी तेजी से करीब 60 गांवों की ओर बढ़ रहा है। हेतमापुर, सुंदरनगर, जमका, खुज्जी, ललपुरवा, कोडरी, बाबापुरवा, केदारीपुर, बेलहरी, मदरहा और डिहुवा समेत कई गांवों का संपर्क प्रभावित हो गया है। हेतमापुर में मंगलवार तड़के करीब 3:30 बजे सरयू की तेज धारा ने बंद पड़े दूरसंचार केंद्र के भवन को अपनी चपेट में ले लिया। कुछ ही देर में पूरा भवन भरभराकर नदी में समा गया। घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों में दहशत फैल गई। नदी लगातार कटान करते हुए आबादी

की ओर बढ़ रही है। हेतमापुर का शिव मंदिर भी कटान की जद में आ गया है। मंदिर परिसर में लगा सरकारी हैंडपंप नदी की धारा में लटक गया है। पास में बने रघुराई के मकान का करीब आधा हिस्सा नदी में समा चुका है। आसपास के कई अन्य मकानों पर भी कटान का खतरा मंडरा रहा है। कटान का खतरा बढ़ने के बाद ग्रामीण खुद अपने घरों को तोड़कर ईंट, लकड़ी और अन्य सामान सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहे हैं। सुंदरनगर के बाढ़ प्रभावित परिवारों ने तटबंध पर शरण ले रखी है।

फास्ट न्यूज

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

हरदोई। हरदोई के कछौना कोतवाली क्षेत्र में 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का मामला सामने आया है।
लड़की 15 अगस्त की दोपहर अचानक घर से लापता हो गई थी।
करीब 19 दिन बाद रिश्तेदारों की मदद से परिवार को जानकारी मिली कि हरदोई कोतवाली शहर क्षेत्र के तत्योरा निवासी मोहित उसे अपने साथ ले गया है।

बड्डूपुर चौराहे पर पुलिस का सख्त पहरा

बाराबंकी। बाराबंकी के बड्डूपुर में सोमवार शाम पुलिस ने पैदल गश्त की। यह गश्त सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के मकसद से की गई। बड्डूपुर चौराहे और आसपास के मुख्य इलाकों में पुलिस की मौजूदगी से सुरक्षा चाक-चौबंद दिखी। गश्त के दौरान पुलिस टीम ने चौराहे के पास की दुकानों, बाजार और सार्वजनिक जगहों का जायजा लिया। पुलिसकर्मियों ने दुकानदारों, राहगीरों और आम लोगों से सुरक्षा व्यवस्था पर बात की। उनसे अपील की गई कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

भारतीय किसान यूनियन का प्रदर्शन

बाराबंकी। बाराबंकी में भारतीय किसान यूनियन श्रमिक जनशक्ति के युवा जिलाध्यक्ष आसिफ हुसैन ने अपनी कई मांगों को लेकर हैदरगढ़ तहसील में प्रदर्शन किया। उन्होंने एसडीएम को एक ज्ञापन भी सौंपा। जानकारी के अनुसार, आसिफ हुसैन करीब डेढ़ घंटे तक एसडीएम कार्यालय के बाहर ज्ञापन देने के लिए इंतजार करते रहे। इतने लंबे इंतजार के बाद भी उन्हें ज्ञापन देने के लिए नहीं बुलाया गया।

हरदोई में युवाओं को मिलेगा स्वरोजगार का मौका

खाद्य प्रसंस्करण योजना के तहत प्रशिक्षण शुरू

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के मैकपुर गांव में मंगलवार दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार योजना के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र, हरदोई ने विकास खंड भरखनी की ग्राम पंचायत मैकपुर में यह कार्यक्रम आयोजित किया। इसका मकसद ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार के लिए तकनीकी रूप से सक्षम बनाना है। कार्यक्रम का उद्घाटन ग्राम प्रधान कु. रेनू देवी ने किया। उन्होंने युवाओं और ग्रामीणों से कहा कि मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बदल सकती है। उन्होंने लोगों को पापड़, अचार, कचरी, मसाला उद्योग, आटा चक्की, पास्ता, दलिया और सेवई जैसे छोटे उद्योग लगाकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र के प्रभारी धीरेंद्र कुमार ने योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घर पर ही प्रसंस्करण इकाई लगाने का अच्छा मौका है। इस योजना में मशीनरी और उपकरणों की कुल लागत का 50 प्रतिशत तक का खर्च विभाग की तरफ से दिया जाता है। प्रशिक्षण शिविर में फूड इंस्पेक्टर अजीत सिंह और कृषि वैज्ञानिक भूपेंद्र यादव भी मौजूद थे। उन्होंने प्रतिभागियों को खाद्य प्रसंस्करण की नई तकनीकों, साफ-सफाई के नियमों और इकाई लगाने की प्रक्रिया के बारे में बताया। अधिकारियों ने युवाओं से कहा कि वे खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में मौजूद अवसरों का फायदा उठाएं। इस मौके पर शिवप्रकाश सिंह और कुमकुम सिंह समेत कई स्थानीय अधिकारी, नागरिक और बड़ी संख्या में ग्रामीण व युवा मौजूद थे।

दो बाइकों की भिड़ंत, दो युवकों की मौत

दो को गंभीर हालत में लखनऊ पीजीआई रेफर किया

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। मौरावां थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा हड़ाहरा गांव से कालूखेड़ा जाने वाली सड़क पर हुआ, जहां तेज रफ्तार दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइकों पर सवार चारों लोग सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालूखेड़ा पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने चारों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए पीजीआई लखनऊ रेफर कर दिया। पीजीआई में उपचार के दौरान दो युवकों की मौत हो गई। घटना के बाद दोनों

परिवारों में मातम पसर गया। पुलिस के अनुसार, हादसे में एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर निहाल (18) पुत्र हरिओम और हरिओम (40) पुत्र काशी सवार थे। दोनों लखनऊ के आवास विकास वृंदावन सेक्टर-2ए, थाना पीजीआई क्षेत्र के रहने वाले बताए गए हैं। वहीं दूसरी ओर पैशन प्रो मोटरसाइकिल पर प्रेम पुत्र हीरालाल यादव और दिनेश पुत्र प्यारे लाल यादव सवार थे। दोनों मौरावां थाना क्षेत्र के बालामुकुंद गांव के निवासी हैं। बताया जा रहा है कि हड़ाहरा गांव से कालूखेड़ा की ओर जाने वाली सड़क पर दोनों मोटर-साइकिलें आमने-सामने आ गईं। इसी दौरान दोनों की जोरदार टक्कर हो गई।

निहाल और प्रेम की मौत से परिवार में मचा कोहराम

हादसे में 18 वर्षीय निहाल और प्रेम की मौत की खबर जैसे ही उनके परिजनों को मिली, परिवार में कोहराम मच गया। अचानक हुए इस हादसे ने दोनों परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया। मंगलवार दोपहर मृतक प्रेम के परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। वहीं मृतकों के घरों पर भी रिश्तेदारों और परिचितों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे।

सीएचसी से पीजीआई लखनऊ रेफर किए गए घायल

घटना की जानकारी मिलते ही मौरावां थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के लिए उन्हें सीएचसी कालूखेड़ा ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने घायलों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें तत्काल पीजीआई लखनऊ रेफर कर दिया। इसके बाद सभी घायलों को बेहतर उपचार के लिए लखनऊ ले जाया गया।

रिजनों के प्रदर्शन के बाद चालक और हेल्पर पर केस

मछली भरे पिकअप ने मासूम माही को कुचला था, गिरफ्तारी की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में परिजनों के प्रदर्शन के बाद शहर कोतवाली में चालक और हेल्पर पर रिपोर्ट दर्ज हो गई है। 6 अगस्त को लखनऊ-पलिया राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक 4 साल की बच्ची की पिकअप से कुचलकर मौत हो गई थी। 7 अगस्त को परिजनों ने शव रखकर प्रदर्शन किया, जिसके बाद पुलिस ने पिकअप के चालक और हेल्पर पर सोमवार को 9:47 पर मुकदमा दर्ज किया है। परिजन आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। मूलरूप से बिलग्राम थाना क्षेत्र के गुरौली गांव निवासी प्रमोद कुमार अपनी पत्नी मंजू देवी और 3 वर्षीय बेटी माही को रक्षाबंधन पर चांद बेहटा (ससुराल) छोड़ गए थे। रविवार की सुबह माही लखनऊ रोड पर एक दुकान के पास खड़ी थी। तभी तेज रफ्तार और लापरवाही से आ

रहे मछली भरे पिकअप ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में माही गंभीर रूप से घायल हो गई और अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और भीड़ ने पिकअप डाला को मौके पर ही पकड़ लिया था, जो फिलहाल पुलिस हिरासत में है। पीड़ित पिता प्रमोद कुमार की शिकायत के अनुसार, गाड़ी को चालक उमंग उर्फ लकी चला रहा था और उस वक्त गाड़ी में हेल्पर विपिन पुत्र सतीश भी मौजूद था। पोस्टमार्टम के बाद रविवार रातभर शव घर पर रखा रहा।

परिजनों ने मौत पर जताया संदेह, पत्नी से 8 साल से चल रहा था विवाद

ट्रेन की चपेट में आकर मजदूर की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। अजगैन थाना क्षेत्र में सोनिक क्रॉसिंग के पास सोमवार शाम एक दर्दनाक हादसे में 40 वर्षीय मजदूर की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसकी पहचान कराई और घटना की जानकारी परिजनों को दी। मृतक की पहचान चंदपुर झलहाई निवासी श्याम लाल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि श्याम लाल रेलवे ट्रैक पैदल पार कर रहे थे। इसी दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि, मंगलवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों ने घटना की परिस्थितियों को लेकर संदेह जताया है। परिजनों का कहना है कि श्याम लाल की मौत के पीछे की

वास्तविक वजह स्पष्ट होनी चाहिए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए। पुलिस का कहना है कि फिलहाल घटना को हादसा मानकर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की स्थिति और चोटों की प्रकृति के संबंध में स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी। परिजनों के मुताबिक, श्याम लाल मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। सोमवार शाम वह उन्नाव से अपनी बहन के घर जाने के लिए निकले थे। इसी दौरान सोनिक क्रॉसिंग के पास वह रेलवे ट्रैक पार करने लगे।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद साफ होगी मौत की स्थिति

मंगलवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि श्याम लाल को किस तरह की चोटें आई थीं और उनकी मौत की परिस्थितियां क्या थीं। पुलिस का कहना है कि परिजनों की ओर से उठाए गए सवालों को भी जांच में शामिल किया जाएगा। घटनास्थल का निरीक्षण, प्रत्यक्षदर्शियों से जानकारी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि श्याम लाल की मौत रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से हुई या घटना से जुड़े कोई अन्य तथ्य भी सामने आते हैं।

दो बेटियों के सिर से उठा पिता का साया

श्याम लाल की मौत के बाद परिवार पर आर्थिक संकट भी गहरा गया है। परिजनों के मुताबिक, वह मजदूरी करके परिवार का खर्च चलाते थे। उनकी आमदनी ही परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों का प्रमुख सहारा थी। मृतक की दो बेटियां हैं। पिता की अचानक मौत के बाद दोनों बेटियों के सामने आर्थिक और पारिवारिक जिम्मेदारियों का संकट खड़ा हो गया है। परिजनों ने प्रशासन से परिवार की स्थिति को देखते हुए मदद की मांग भी की है।

पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया है। पुलिस के मुताबिक, फिलहाल रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से मौत की बात सामने आई है। परिजनों के संदेह को देखते हुए घटना की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत की वास्तविक स्थिति साफ हो सकेगी।

निरीक्षण : स्थानीय लोगों ने वर्तमान अलाइनमेंट बरकरार रखने की मांग की, पूर्व ब्लॉक प्रमुख ने सौंपा ज्ञापन

लोधेश्वर धाम के पास हाईवे अलाइनमेंट बदलने का विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

रामनगर। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के निर्देश के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) के अधिकारियों ने मंगलवार को रामनगर क्षेत्र में लखनऊ-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने हाईवे के विभिन्न हिस्सों, लोधेश्वर महादेव मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग और केसरीपुर मोड़ की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने प्रस्तावित बाईपास के बजाय वर्तमान हाईवे अलाइनमेंट को ही बनाए रखने की मांग उठाई। स्थानीय लोगों ने अधिकारियों के

सामने क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति और यातायात से जुड़ी समस्याएं रखते हुए कहा कि मौजूदा अलाइनमेंट को बरकरार रखते हुए जरूरत के अनुसार एलिवेटेड रोड, कॉरिडोर, सर्विस रोड और व्हीकल अंडरपास जैसी सुविधाएं विकसित की जा सकती हैं। उनका कहना है कि इससे क्षेत्र के लोगों को राहत मिलने के साथ लोधेश्वर महादेव मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को भी आवागमन में सुविधा मिलेगी। मामला जनहित याचिका संख्या 434/2026, जगदीश एवं अन्य बनाम भारत सरकार व अन्य से जुड़ा है। इस मामले की सुनवाई के दौरान इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों को स्थानीय लोगों की समस्याओं पर गंभीरता से विचार करने के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने अधिकारियों से मौके पर जाकर स्थिति का आकलन करने को कहा था, ताकि यह देखा जा सके कि क्षेत्र में एलिवेटेड रोड या कॉरिडोर का निर्माण आवश्यक और व्यावहारिक है या नहीं। इसी आदेश के अनुपालन में मंगलवार को NHAI अधिकारी नवरत्न कुमार रामनगर पहुंचे और राजमार्ग के अलग-अलग हिस्सों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सड़क की स्थिति, आसपास की बसावट, आने-जाने वाले मार्गों और मंदिर की ओर जाने वाले रास्ते समेत विभिन्न बिंदुओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों ने प्रस्तावित बाईपास को लेकर अपनी आपत्तियां अधिकारियों के सामने रखीं। उनका कहना है कि वर्तमान हाईवे अलाइनमेंट को बनाए रखते हुए ही क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को बेहतर किया जा सकता है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख जगदीश धीमान ने NHAI अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर स्थानीय लोगों की समस्याओं और मांगों से अवगत कराया। ज्ञापन में मौजूदा हाईवे को बरकरार रखने और जरूरत के मुताबिक वैकल्पिक यातायात व्यवस्थाएं विकसित करने की मांग की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाईपास बनने की स्थिति में क्षेत्र के लोगों और प्रमुख धार्मिक स्थल पर आने वाले श्रद्धालुओं के आवागमन पर असर पड़ सकता है। ऐसे में किसी भी नए अलाइनमेंट को अंतिम रूप देने से पहले स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखा जाना जरूरी है। ज्ञापन में लोधेश्वर महादेव मंदिर के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व का भी उल्लेख किया गया।

देवा मेला की तैयारी शुरू

27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक होगा आयोजन, डीएम ने सुरक्षा पर दिया जोर

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। जिले का प्रसिद्ध देवा मेला इस बार 27 अक्टूबर से शुरू होकर 5 नवंबर तक चलेगा। ऐतिहासिक और पारंपरिक महत्व रखने वाले इस मेले को भव्य स्वरूप देने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। मेले में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

मेले की तैयारियों को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह की अध्यक्षता में देवा मेला एवं प्रदर्शनी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेला आयोजन से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई और अधिकारियों को समय से सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश

दिए गए। देवा मेला बाराबंकी के प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में शामिल है। हर वर्ष अक्टूबर-नवंबर के दौरान आयोजित होने वाले इस मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। यह मेला सूफी संत हाजी वारिस अली शाह के पिता की स्मृति से जुड़ा हुआ है।

मुशायरा और कवि सम्मेलन समेत होंगे कई कार्यक्रम

देवा मेले के दौरान लोगों के मनोरंजन के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में मुशायरा, कवि सम्मेलन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और खेलकूद प्रतियो-गिताओं के आयोजन को लेकर चर्चा की गई।
इसके अलावा मेले में लोगों के लिए अन्य मनोरंजक और आकर्षक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। आयोजन को पारंपरिक स्वरूप के साथ भव्य बनाने के लिए विभिन्न विभागों को उनकी जिम्मेदारियां सौंपने की तैयारी की जा रही है।
प्रशासन का उद्देश्य है कि मेले में आने वाले लोगों को धार्मिक और सांस्कृतिक माहौल के साथ मनोरंजन के पर्याप्त अवसर भी मिलें।

सम्पादकीय

जहरीली शराब का कहर

मध्य प्रदेश के सागर जिले में जहरीली शराब से 20 से अधिक लोगों की मौत यही बता रही है कि अपने देश में समय के साथ कुछ समस्याएं किस तरह विकराल और जानलेवा होती जा रही हैं। यह शर्मनाक है कि रह-रहकर देश के किसी न किसी हिस्से में जहरीली शराब से मौतों का कोई न कोई मामला सामने आता ही रहता है। आम तौर पर शासन-प्रशासन तभी चेतता है, जब मरने वालों की संख्या अधिक होती है। विडंबना यह है कि इसके बाद भी स्थितियां सुधरती नहीं। जहरीली शराब बनाने-बेचने वालों की गिरफ्तारी के साथ लापरवाह अधिकारियों का निलंबन होता है, लेकिन कुछ समय बाद फिर कहीं और कई बार तो उसी राज्य में जहरीली शराब कहर ढा देती है। मध्य प्रदेश से पहले गुजरात और बिहार में कई लोग जहरीली शराब पीने से मरे थे। इसके पहले महाराष्ट्र में। आम तौर देसी तरीके से बनाई जाने वाली शराब ही जहरीली शराब में तब्दील हो जाती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि इसे बनाने वाले ज्यादा कमाई के चक्कर में ऐसे तौर-तरीके अपनाते हैं, जो जानलेवा साबित होते हैं। एक समय था, जब देसी शराब महुआ और कुछ अनाजों के जरिये प्राकृतिक तरीके से बनाई जाती थी, लेकिन अब वह घातक रसायनों के जरिये बनाई जाने लगी है। यही शराब प्रायः जहरीली हो जाती है।

अपने देश में शराब को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताए जाने के बाद भी उसका चलन तो बढ़ता जा रहा है, लेकिन उसकी गुणवत्ता का कोई भरोसा नहीं। अभी हाल में भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआइ ने यह निर्देश दिया कि एक प्रचलित रम को इसी श्रेणी में नहीं बेचा जा सकता, क्योंकि उसे निर्धारित तरीके से बनाने के स्थान न्यूट्रल स्पिरिट में आर्टिफिशियल रम फ्लेवर मिलाकर बनाया और बेचा जा रहा है। यह गनीमत है कि एफएसएस-एआइ को भारत में बनने वाली विदेशी शराब की गुणवत्ता को लेकर चिंता हुई, लेकिन क्या वह देसी शराब की भी गुणवत्ता परखेगा? इससे भी महत्वपूर्ण सवाल यह है कि राज्य सरकारें और उनकी एजेंसियां जहरीली शराब बनाने और बेचने वाले माफिया की कमर तोड़ने में कब कामयाब होंगी? वे इससे अपरिचित नहीं हो सकतीं कि अवैध तरीके से देसी शराब बनाने का काम एक कुटीर उद्योग जैसा रूप ले चुका है। कभी-कभी ऐसा लगता है कि जहरीली शराब के लगातार कहर ढाने के बाद भी शासन-प्रशासन इसलिए अपने हिस्से की जिम्मेदारी नहीं उठाता, क्योंकि उसकी चपेट में आने वाले आम तौर पर दीन-हीन लोग होते हैं। यह समझा जाए कि इस तरह की घटनाएं केवल कानून के शासन को कमजोर ही नहीं करतीं, बल्कि देश की बदनामी भी कराती हैं। यह ठीक नहीं कि आज जब देश को विकसित बनाने की बातें हो रही हैं, तब वैसी घटनाएं हो रही है, जैसी कई निर्धन देशों में भी नहीं होतीं।

खाद्य संयम दिवस

जीवन में आहार तो अति आवश्यक है । आहार और जीवन- ये शाब्दिक दृष्टि से भिन्न प्रतीत होते हैं, किंतु तात्पर्य की दृष्टि से ये दोनों एक हो जाते हैं । आहार का अर्थ है जीवन और जीवन का अर्थ है आहार । आहार और जीवन दोनों जुड़े हुए हैं । साधना के लिए शक्ति चाहिए और शक्ति के लिए शरीर चाहिए। शरीर को धारण करने के लिए खाना जरूरी हैं । इसलिए जीवन का , शरीर का और आहार का गहरा संबंध हैं । साधना जरूरी हैं । साधना के लिए शरीर जरूरी हैं और शरीर को टिकाए रखने के लिए आहार जरूरी हैं । हम आहार लेते हैं, किंतु आहार की एक समस्या हैं । बहुत बड़ी समस्या हैं क्या खाएं ? कितना खाएं? कब खाएं ? जो आहार शक्ति देता हैं , वही शक्ति को कम भी कर देता हैं । आहार एक आलंबन हैं तो वह एक खतरा भी हैं । इसलिए मनुष्य को विवेक करना पड़ता हैं । विवेक के बिना काम नहीं होता । भोजन विज्ञान में मात्रा का विवेक बहुत जरूरी हैं । हल्का या लघु भोजन की मात्रा भी अधिक नहीं चाहिए ।गरिष्ठ भोजन की मात्रा तो और भी कम होनी चाहिए । आदमी भोजन से जितना बंधा हुआ हैं,उतना वह किसी से बंधा हुआ नहीं हैं । भोजन से शरीर बनता हैं, रक्त बनता हैं, मांस बनता हैं,सारी धातुएं बनती हैं । सात धातुओं से परे जो ओज हैं, वह भी भोजन से बनता हैं । ओज को ओज की भाषा में विधुत कहा जाता हैं । सारे रसायन भोजन से निष्पन्न होते हैं । जीवन का पूरा चक्र भोजन से संचालित होता हैं । हमारी सारी वृतियां भोजन से संचालित होती हैं । भोजन के आधार पर पूरे व्यक्तित्व का अंकन किया जा सकता हैं । जो भोजन हित, मित और सात्विक होता हैं, वह आहार - शुद्धि हैं ।जो आहार हितकारी होता हैं, परिमित होता हैं और सात्विक होता हैं, वही आहार शुद्ध होता हैं । यही आहार- शुद्धि हैं । सुखी जीवन के लिए संयमित जीवन जरूरी है क्योंकि शांति प्रदाता संयमित मन होता हैं ।

> प्रदीप छाजेड़

ई-बाजारः सुविधा से आगे टिकाऊ अर्थव्यवस्था की नई चुनौती

ई-बाजार का सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि उसने दुकान को स्थान से निकालकर व्यक्ति की हथेली तक पहुंचा दिया है। पहले ग्राहक बाजार जाता था, अब बाजार ग्राहक के मोबाइल में पहुंच गया है।

भारत में खरीदारी की दुनिया जिस तेजी से बदल रही है, वह केवल बाजार की शैली में परिवर्तन नहीं है, बल्कि उपभोक्ता व्यवहार, रोजगार, तकनीक, छोटे व्यापार और अर्थव्यवस्था की पूरी संरचना में हो रहे बदलाव का संकेत है। हाल में शोध परामर्श संस्था इन्फिसम की रिपोर्ट ने इस परिवर्तन को एक स्पष्ट आंकड़े में सामने रखा है। उसके अनुसार भारत का ई-बाजार 2024 के लगभग 125 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक करीब 345 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यानी छह वर्षों में लगभग तीन गुना विस्तार। इसके लिए लगभग 18.4 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर का अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस आंकड़े को केवल बाजार की सफलता के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। असली प्रश्न यह है कि इतनी तेज वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था, रोजगार, उपभोक्ता अधिकार, छोटे व्यापार और पर्यावरण के लिए किस तरह का भविष्य बनाएगी। ई-बाजार की अगली कहानी केवल अधिक बिक्री की नहीं, बल्कि अधिक विवेकपूर्ण और अधिक टिकाऊ विकास की होनी चाहिए। दुकान खुलने और बंद होने का समय समाप्त हो रहा है। भौगोलिक दूरी का महत्व घट रहा है और सुविधा खरीदारी का सबसे बड़ा आकर्षण बनती जा रही है। इसी कारण ऑनलाइन खरीदारी अब केवल महानगरों की सुविधा नहीं रही। छोटे शहर और कस्बे इसके नए केंद्र बन रहे हैं। हालिया अध्ययन के अनुसार नए प्रत्यक्ष-से-उपभोक्ता आदेशों का लगभग 66 प्रतिशत हिस्सा दूसरे और तीसरे स्तर के शहरों से आ रहा है। यह परिवर्तन भारत की आर्थिक संरचना के लिए विशेष महत्व रखता है। महानगरों के बाद अब छोटे शहरों का उपभोक्ता बाजार की अगली शक्ति बन रहा है। स्थानीय भाषा में सामग्री, क्षेत्रीय पसंद, छोटे व्यापारियों की डिजिटल उपस्थिति और कम लागत वाली आपूर्ति व्यवस्था आने वाले वर्षों में ई-बाजार के विस्तार को गति दे सकती है। इसलिए भविष्य का ई-बाजार केवल तकनीक का बाजार नहीं होगा, बल्कि भारत की विविध भाषाओं, संस्कृतियों और स्थानीय आवश्यकताओं को समझने वाला बाजार होगा। इस बदलाव में नई पीढ़ी की भूमिका निर्णायक है। आज ऑनलाइन खरीदारों में नई पीढ़ी की हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई बताई जा रही है और अनुमान है कि 2030 तक यही वर्ग डिजिटल खर्च का सबसे बड़ा समूह बन सकता है। यह केवल उम्र का परिवर्तन नहीं है, यह उपभोग की मानसिकता का परिवर्तन है। नई पीढ़ी विकल्पों की तुलना करती है, मूल्य की जांच करती है, दूसरे ग्राहकों की राय पढ़ती है और सुविधा को बहुत महत्व देती है। उसके लिए खरीदारी केवल वस्तु प्राप्त करना नहीं, बल्कि समय बचाना भी है। यही मानसिकता त्वरित वाणिज्य को असाधारण गति दे रही है। कुछ वर्ष पहले कुछ मिनटों में सामान पहुंचाने की कल्पना असंभव लगती थी, आज यह महानगरों से निकलकर छोटे शहरों तक पहुंच रही है। अनुमान है कि 2030 तक त्वरित वाणिज्य का बाजार 65 से 70 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है और अगले पांच वर्षों में ई-बाजार की अतिरिक्त वृद्धि में इसका योगदान 45 से 50 प्रतिशत तक हो सकता है। इसके साथ छोटे स्थानीय भंडार केंद्रों की संख्या 2025 के लगभग 2,525 से बढ़कर 2030 तक करीब 7,500 होने का अनुमान है। लेकिन यहां एक गंभीर प्रश्न भी खड़ा होता है- क्या हर वस्तु को कुछ मिनट में घर पहुंचाना वास्तव में प्रगति का अंतिम मानक है? यदि उपभोक्ता को पांच मिनट में सामान मिल जाए, लेकिन उस सुविधा के पीछे अत्यधिक पैकेजिंग, अधिक यातायात, अधिक ऊर्जा खपत, अस्थिर रोजगार और लगातार घाटे का व्यापार हो, तो ऐसी गति को कितने समय तक टिकाऊ कहा जा सकता है? इसलिए आने वाले समय में ई-बाजार की सफलता को केवल वितरण की गति से नहीं, बल्कि उसके सामाजिक और आर्थिक संतुलन से भी मापना होगा। प्रौद्योगिकी इस पूरी व्यवस्था को और गहराई से बदलने वाली है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ग्राहक की पसंद को समझकर उत्पाद सुझाएगी, संवाद आधारित खरीदारी ग्राहक को बातचीत के माध्यम से निर्णय लेने में सहायता देगी और आभासी परीक्षण से वस्त्र, सौंदर्य सामग्री तथा अन्य उत्पादों को खरीदने का अनुभव बदल सकता है। एक हालिया अध्ययन के अनुसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और यंत्र-अधिगम 2030 तक खुदरा उत्पादकता में 35 से 37 प्रतिशत तक सुधार ला सकते हैं। इससे आगे एक और बड़ा परिवर्तन संभव है। आज ग्राहक स्वयं वस्तु खोजता है, कल कृत्रिम बुद्धिमत्ता उसके लिए खोज, तुलना और चयन का बड़ा हिस्सा कर सकती है। अर्थात बाजार में सबसे बड़ा प्रतिस्पर्धी केवल वह कंपनी नहीं होगी जिसके पास अधिक उत्पाद हैं, बल्कि वह होगी जो ग्राहक की आवश्यकता को उससे पहले समझ सके। यह सुविधा जहां समय बचाएगी, वहीं उपभोक्ता की स्वतंत्र पसंद, निजता और आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़े नए प्रश्न भी पैदा करेगी। ई-बाजार का विस्तार परंपरागत दुकानदार के लिए भी बड़ी चुनौती है। ऑनलाइन कीमतों की तुलना करने वाला ग्राहक अब दुकान पर भी अधिक जागरूक होकर पहुंचता है। लेकिन इसे केवल ऑनलाइन बनाम ऑफलाइन संघर्ष के रूप में देखना गलत होगा। भविष्य का सफल व्यापारी संभवतः दोनों का मेल करेगा। स्थानीय दुकानदार डिजिटल माध्यम से आदेश ले सकता है, घर तक सामान पहुंचा सकता है और अपने पुराने ग्राहक संबंधों को तकनीकी सुविधा से जोड़ सकता है। इस प्रकार ई-बाजार परंपरागत बाजार का अंत करने के बजाय उसे नए रूप में ढाल सकता है। दूसरी ओर रोजगार का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। ई-बाजार ने वितरण, भंडारण, पैकिंग, तकनीकी सेवाओं और घरेलू आपूर्ति में लाखों अवसर पैदा किए हैं, लेकिन काम की गुणवत्ता, मेहनताना, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल की सुरक्षा को लेकर प्रश्न बने हुए हैं। यदि आर्थिक वृद्धि का लाभ केवल कंपनियों और निवेशकों तक सीमित रह जाए और अंतिम पंक्ति में काम करने वाले व्यक्ति को असुरक्षित रोजगार मिले, तो यह विकास अधूरा माना जाएगा। पर्यावरण भी इसी बहस का महत्वपूर्ण पक्ष है। हर वस्तु की अलग पैकिंग, बार-बार होने वाली छोटी आपूर्ति और अत्यंत तेज वितरण से ऊर्जा उपयोग तथा अपशिष्ट बढ़ सकता है। इसलिए भविष्य का ई-बाजार पुनर्चक्रण योग्य पैकेजिंग, विद्युत वाहनों, सामूहिक वितरण और कम-अपशिष्ट आपूर्ति व्यवस्था की ओर बढ़े, तभी उसकी वास्तविक सामाजिक उपयोगिता सिद्ध होगी। एक और महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि भविष्य की खरीदारी केवल कंपनियां नहीं, बल्कि सामग्री निर्माता और सामाजिक माध्यमों से प्रभावित होगी।

ललित गर्ग

महिलाओं की आत्मनिर्भरता ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

स्वयं सहायता समूहों से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर ग्रामीण महिलाएं

प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तीकरण, सामाजिक समरसता और आर्थिक आत्मनिर्भरता को नई दिशा मिल रही है। जनपद आजमगढ़ में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित गतिविधियां ग्रामीण अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार का सशक्त माध्यम बनकर उभरी हैं। स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं न केवल अपने परिवारों की आजीविका को संबल प्रदान कर रही हैं, बल्कि सूक्ष्म उद्यमिता और सामुदायिक नेतृत्व के क्षेत्र में भी नए प्रतिमान स्थापित कर रही हैं।

जिला प्रशासन द्वारा संचालित त्रिमासीय विशेष सोशल मोबिलाइजेशन अभियान के अंतर्गत मई, जून और जुलाई 2026 के दौरान 5,650 नवीन स्वयं सहायता समूहों का गठन कर 94 हजार महिलाओं को सीधे मिशन से जोड़ा गया। इस सघन अभियान के तहत कुल 6,000 समूहों का गठन कर एक लाख से अधिक महिलाओं को आच्छादित किया गया। उत्कृष्ट प्रशासनिक प्रबंधन, निरंतर अनुश्रवण और जमीनी क्रियान्वयन के फलस्वरूप जनपद आजमगढ़ ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर तीसरा स्थान प्राप्त कर राज्य स्तर पर विशिष्ट पहचान बनाई है।

वर्तमान में जनपद आजमगढ़ में लगभग 25 हजार महिला स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनसे 3 लाख से अधिक ग्रामीण महिलाएं जुड़ी हुई हैं। बचत और आंतरिक ऋण से आगे बढ़कर यह व्यवस्था आजीविका संवर्धन का प्रभावी केंद्र बन चुकी है। सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप जनपद में अब तक 1 लाख से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' की श्रेणी में शामिल हो चुकी हैं, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय एक लाख रुपये से अधिक है। इससे ग्रामीण परिवारों के जीवन स्तर, पोषण, शिक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा में सकारात्मक बदलाव आया है।

महिलाओं की आत्मनिर्भरता को मूल स्तर पर मजबूती देने के लिए जनपद की सभी 1,810 ग्राम पंचायतों में प्रति पंचायत दो-दो समूह सखियों का चयन कर कुल 3,620 समूह सखियों को समुदाय संगठन, वित्तीय साक्षरता और समूह प्रबंधन का विधिवत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। विकास खंड स्तर पर प्रशासनिक समन्वय और डोर-टू-डोर संपर्क अभियान संचालित कर अत्यंत निर्धन और वंचित परिवारों को प्रेरित करते हुए समूहों से आच्छादित किया गया।

जनपद स्तर पर समूहों के संस्थागत विकास हेतु बहुस्तरीय वित्तीय सहायता व्यवस्था लागू की गई है। गठन के उपरांत प्रारंभिक व्यय और खाता संचालन के लिए 2,500 रुपये की स्टार्ट-अप निधि तथा तीन माह नियमित संचालन के बाद 30 हजार रुपये का रिवाल्विंग फंड समूह के बैंक खाते में हस्तांतरित किया जाता है। छह माह पूर्ण होने पर वित्तीय परिपक्वता के आधार पर 1.50 लाख रुपये का कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड तथा उन्नत कृषि व प्रसंस्करण सुविधाओं के लिए ग्राम संगठनों को 2 लाख रुपये का लाइवलीहुड फंड उपलब्ध कराया जा रहा है।

आकस्मिक विपदाओं, गंभीर बीमारी और प्राकृतिक आपदा जैसी संकटपूर्ण परिस्थितियों में सुरक्षा प्रदान करने के लिए वल्नरेबिलिटी रिडक्शन फंड की व्यवस्था की गई है, जिसने निर्धन परिवारों को स्थानीय साहूकारों के शोषण से मुक्त कराया है। इसके साथ ही, समूहों को 1.50 लाख से लेकर 6 लाख रुपये तक का संस्थागत बैंक ऋण सुलभ कराया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा 3 लाख रुपये तक के ऋण पर 7 प्रतिशत की रियायती ब्याज दर और समयबद्ध पुनर्भुगतान पर अतिरिक्त ब्याज उपादान का लाभ भी दिया जा रहा है।

उद्यमिता को आधुनिक बाजार से जोड़ने के उद्देश्य से 'लाइवलीहुड ऑन व्हील्स' पहल के तहत जिला प्रशासन द्वारा 250 'पिंक प्रेरणा दीदी कैंटीन' एवं फास्ट फूड सेंटरों का शुभारंभ कराया गया है। अनुदान आधारित सहायता से उपलब्ध कराए गए आधुनिक और सुसज्जित सचल ठेलों के जरिए महिलाएं प्रमुख हाट-बाजारों, कस्बों और सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छ व पौष्टिक खान-पान सेवाएं उपलब्ध करा रही हैं, जिससे उनकी दैनिक आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

पर्यावरण संरक्षण, गौ-संवर्धन और जैविक कृषि को आजीविका से जोड़ते हुए जनपद में 'गो-धन संकल्प अभियान' सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। इस व्यवस्था के अंतर्गत गौशालाओं से 50 पैसे प्रति किलोग्राम की दर से गोबर क्रय कर समूह सदस्यों द्वारा वैज्ञानिक पद्धति से वर्मी कम्पोस्ट का उत्पादन किया जा रहा है। जनपद में निर्धारित पौधरोपण लक्ष्यों के सापेक्ष 27.13 लाख किलोग्राम से अधिक वर्मी कम्पोस्ट का उत्पादन कर ग्राम पंचायतों को 10 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से आपूर्ति की गई।

इस पूरी प्रक्रिया में बिचौलियों की भूमिका समाप्त करते हुए समस्त भुगतान सीधे डीबीटी के माध्यम से समूहों के बैंक खातों में किए जा रहे हैं।

इन स्थलों को ...

केवल

बौद्ध सर्किट में सारनाथ को यूनेस्को द्वारा विरासत घोषित करने से प्रदेश में बढ़ेगी बौद्ध श्रद्धालुओं की संख्या

उत्तर प्रदेश का पर्यटन विभाग प्रदेश के धार्मिक, ऐतिहासिक, पौराणिक स्थलों को विभिन्न सर्किटों में बाँट कर उन स्थलों पर विभिन्न अवस्थापना सुविधाएं सृजित कर रहा है। पर्यटन सेक्टर में रोजगार एवं राजस्व की असीमित संभावनाओं को देखते हुए कनेक्टिविटी तथा कानून व्यवस्था की स्थिति को बेहतर से बेहतर बनाने का प्रयास किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा दी गयी पर्यटन सुविधाओं के कारण ही विगत 9.5 वर्षों के कार्यकाल के दौरान उत्तर प्रदेश ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रथम स्थान हासिल किया है। पर्यटन विभाग घरेलू पर्यटकों के मामले में प्रथम स्थान पर बना हुआ है। विदेशी पर्यटकों के मामले में अभी देश में चौथे स्थान पर है। इसको प्रथम स्थान पर लाने के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे है।

प्रदेश के धार्मिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक स्थलों काशी, मथुरा, अयोध्या, प्रयागराज, कुशीनगर आदि नगरों में पर्यटकों की संख्या में कई गुना वृद्धि हुई है। पर्यटन के क्षेत्र में राज्य सरकार नए-नए प्रयोग कर रही है। पर्यटन को युवा पर्यटन क्लब के माध्यम से युवाओं को जोड़ने पर ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है। राज्य सरकार बौद्ध सर्किट में विदेशी पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए कुशीनगर, संकिसा में पर्यटकों के लिए बुनियादी सुविधाएं सुदृढ़ कर रही है। कुशीनगर में हाल ही में सम्पन्न हुए इंटरनेशनल बौद्ध कॉनक्लेव में 2,500 से अधिक बौद्ध पर्यटक आये। उत्तर प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने उत्तर प्रदेश को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में विकसित करने की परिकल्पना की है। इस दिशा में बौद्ध सर्किट एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। सारनाथ से कुशीनगर और श्रावस्ती से कपिलवस्तु तक फैला यह बौद्ध आध्यात्मिक गलियारा केवल धार्मिक आस्था का केन्द्र ही नहीं रहा बल्कि यह वैश्विक पर्यटन, निवेश और सांस्कृतिक पुनरोत्थान का एक शक्तिशाली केन्द्र बन कर उभर रहा है। हाल ही में कुशीनगर में सम्पन्न हुए इन्टरनेशनल बौद्ध कॉनक्लेव ने इस दिशा में एक नया अध्याय जोड़ा है, जिसमें इन केन्द्रों पर वैश्विक निवेश के रास्ते खोले है, जो उत्तर प्रदेश के पर्यटन विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

उत्तर प्रदेश का बौद्ध सर्किट लगातार मजबूत हो रहा है। इसके ऑकड़े स्वयं कहानी कह रहे है। वर्ष 2025 में प्रदेश के 06 प्रमुख बौद्ध स्थलों, सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, कौशाम्बी, संकिसा और कपिलवस्तु में 84 लाख से अधिक पर्यटकों का आगमन हुआ। बौद्ध अनुयायियों और पर्यटकों के दृष्टि में अब उत्तर प्रदेश की पहचान एक अनिवार्य आध्यात्मिक गंतव्य के रूप में उभरी है।

इन स्थलों को आधुनिक सुविधाओं जैसे एक्सप्रेस-वे और हवाई मार्ग से जोड़ा गया है। ताकि विदेशी पर्यटकों के लिए आवागमन को सहज और आकर्षक बनाया जा सके। प्रदेश का बौद्ध सर्किट स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति दे रहा है। होटल उद्योग, परिवहन सेवायें, टूर गाइड, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों के लिए अवसर पैदा हो रहे है।

जरा हटके

तकनीक, पारदर्शिता और ठोस कार्रवाई से बदलता प्रदेश का खनन क्षेत्र

उत्तर प्रदेश प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से देश के प्रमुख राज्यों में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। प्रदेश की नदियों, भूगर्भीय संरचनाओं और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध खनिज संपदा ने सदैव राज्य के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बालू, मोरम, गिट्टी और अन्य खनिजों का वैज्ञानिक एवं नियंत्रित दोहन जहां विकास कार्यों की आवश्यकताओं को पूरा करता है, वहीं इससे प्राप्त होने वाला राजस्व राज्य की अर्थव्यवस्था को भी सुदृढ़ बनाता है। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग ने बीते वर्षों में खनन क्षेत्र को पारदर्शी, तकनीक आधारित, उत्तरदायी और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

प्रदेश सरकार की स्पष्ट नीति रही है कि प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग विकास के लिए आवश्यक है, लेकिन उनका दोहन वैज्ञानिक, नियंत्रित और सतत होना चाहिए। इसी सोच के साथ उत्तर प्रदेश में खनन व्यवस्था में व्यापक सुधार किए गए हैं। खनन से प्राप्त राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि, अवैध खनन एवं परिवहन पर तकनीक के माध्यम से नियंत्रण, ऑनलाइन सेवाओं का विस्तार, ई-नीलामी, इंटीग्रेटेड माइन सर्विलांस सिस्टम, RFID एवं AI आधारित चेकपोस्ट तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए एम-सैंड नीति जैसे कदम उत्तर प्रदेश के खनन क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत के प्रतीक हैं।

उत्तर प्रदेश में खनन क्षेत्र की प्रगति का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष राजस्व में हुई उल्लेखनीय वृद्धि है। वर्ष 2012 से 2017 के बीच जहां खनन से प्राप्त कुल राजस्व लगभग 4,700 करोड़ रुपये था, वहीं वर्ष 2017 से मार्च 2026 तक खनन से प्राप्त कुल राजस्व लगभग 30,524 करोड़ रुपये से अधिक हो गया। यह उपलब्धि खनन व्यवस्था में आए व्यापक सुधार, पारदर्शिता और प्रभावी प्रशासन का प्रमाण है। वर्ष 2017 से 2026 के बीच औसत राजस्व में लगभग साढ़े छह गुना की वृद्धि प्रदेश सरकार की प्रभावी नीतियों और तकनीक आधारित व्यवस्थाओं की सफलता को दर्शाती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने खनन क्षेत्र को केवल राजस्व अर्जन के माध्यम के रूप में ही नहीं देखा, अपितु इसे सुशासन, रोजगार, विकास और प्राकृतिक

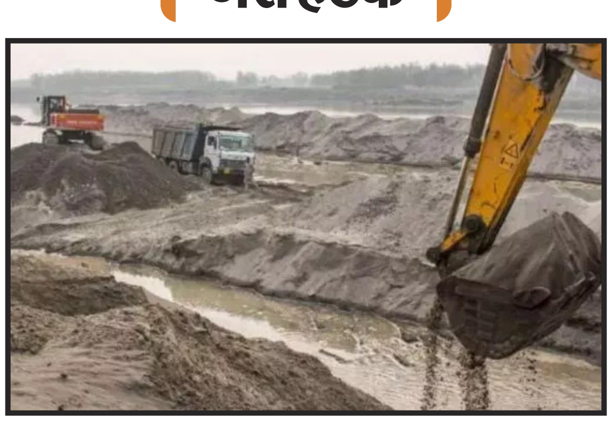

संसाधनों के संरक्षण से जोड़कर एक व्यापक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाया है। यही कारण है कि खनन पट्टों के आवंटन से लेकर खनिजों के परिवहन तक की व्यवस्था को अधिकाधिक डिजिटल बनाया गया है। इससे जहां मानवीय हस्तक्षेप कम हुआ है, वहीं पारदर्शिता और जवाबदेही भी बढ़ी है।

गौरतलब है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 से अब तक प्रदेश में मुख्य खनिजों के 10 ब्लॉकों को कम्पोजिट लाइसेंस तथा 3 ब्लॉकों को खनन पट्टे पर सफलतापूर्वक आवंटित करते हुए आवश्यक कार्रवाई की गई है। खनिज क्षेत्रों के वैज्ञानिक सर्वेक्षण और नई संभावनाओं की खोज पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। प्रदेश में संचालित खनन पट्टों के समीपवर्ती क्षेत्रों तथा नए रिक्त क्षेत्रों का उन्नत तकनीक के माध्यम से अध्ययन कराया जा रहा है। निदेशालय की प्रयोगशालाओं में आधुनिक तकनीक और भू-वैज्ञानिक अध्ययन के आधार पर संभावित अवैध खनन क्षेत्रों तथा नए खनिज क्षेत्रों का चिन्हांकन किया जा रहा है।

आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक विश्लेषण के माध्यम से प्रदेश में अब तक 66 संभावित अवैध खनन क्षेत्रों का चिन्हांकन किया गया है। इन क्षेत्रों के संबंध में संबंधित जिलाधिकारियों द्वारा नियमानुसार कार्रवाई भी सुनिश्चित की गई है, जिससे लगभग 2.19 करोड़ रुपये के राजस्व की प्राप्ति हुई है। यह व्यवस्था बताती है कि अब खनन विभाग केवल शिकायतों या पारंपरिक निरीक्षण पर निर्भर होने के बजाय तकनीक के माध्यम से संभावित अनियमितताओं की पहचान कर समयबद्ध कार्रवाई कर रहा है। खनन से संबंधित सभी प्रमुख सेवाओं को एक ही छत के नीचे लाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने 'माइनमित्र पोर्टल' विकसित किया है। यह पोर्टल खनन क्षेत्र में डिजिटल क्रांति का एक जबरदस्त उदाहरण है। माइनमित्र पोर्टल के माध्यम से पट्टाधारकों, भंडारणकर्ताओं और आम नागरिकों को अनेक ऑनलाइन सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इससे खनन से जुड़ी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता आई है और लोगों को कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने से भी मुक्ति मिली है। 'ऑनलाइन खनिज प्रबंधन' व्यवस्था के अंतर्गत पट्टाधारकों एवं भंडारणकर्ताओं के लिए आवश्यक ई-फॉर्म, विभिन्न सेवाओं के लिए आवेदन तथा लीज धनराशि के ऑनलाइन भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। डिजिटल व्यवस्था के माध्यम से प्रक्रियाओं को सरल और समयबद्ध बनाया गया है। यह परिवर्तन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस सुशासन की अवधारणा को साकार करता है, जिसमें सरकारी सेवाएं अधिकतम पारदर्शी और नागरिकों के लिए सुगम हों। माइनमित्र पोर्टल पर आम नागरिकों और किसानों के लिए भी अनेक महत्वपूर्ण ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। निजी भूमि, साधारण मिट्टी तथा भवन एवं विकास परियोजनाओं से निकलने वाले उपखनिजों के निस्तारण से संबंधित प्रक्रियाओं को ऑनलाइन किया गया है। भंडारण लाइसेंस, ऑनलाइन आवेदन, खनिज पट्टा संबंधी व्यवस्थाएं, खनिजों के फुटकर विक्रेताओं का पंजीकरण और किसानों के व्यक्तिगत उपयोग के लिए साधारण मिट्टी के खनन हेतु पंजीकरण जैसी सुविधाएं डिजिटल माध्यम से उपलब्ध कराई गई हैं। खनन योजना के अनुमोदन की प्रक्रिया भी अधिक सुगम बनाई गई है। उदाहरणार्थ सितंबर 2021 से जुलाई 2026 तक माइनमित्र पोर्टल के माध्यम से 4,71,653 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 4,66,920 आवेदनों का निस्तारण किया गया। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म ने विभागीय कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के साथ-साथ जनता का विश्वास भी बढ़ाया है। पारदर्शी और ऑनलाइन व्यवस्था से भ्रष्टाचार एवं अनावश्यक मानवीय हस्तक्षेप की संभावनाओं में कमी आई है।

ग्राम चौपाल, ग्रामीण आवास और महिला सशक्तिकरण की योजनाओं को मिलेगी गति

सेवा पखवाड़ा के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोर : शिवराज सिंह चौहान

बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में सोमवार को राज्यों के कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रियों के साथ आगामी 'सेवा पखवाड़ा' के आयोजन एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर उच्चस्तरीय वर्चुअल बैठक हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य लखनऊ स्थित कैम्प कार्यालय से एनडीए के कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रियों के साथ वर्चुअल रूप से सम्मिलित हुए। बैठक में सेवा पखवाड़े के दौरान केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याण-कारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तथा ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक

पात्र परिवार तक पहुंचाने के लिए प्रभावी कार्ययोजना पर चर्चा की गई। उन्होंने ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, पात्र लाभार्थियों को समय से लाभ उपलब्ध कराने तथा गांवों में विकास कार्यों को गति देने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सरकार का मूल उद्देश्य गरीब, वंचित और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है और सेवा पखवाड़ा इसी संकल्प को और मजबूती प्रदान करेगा। 'सेवा पखवाड़ा' प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस 17 सितम्बर से प्रारम्भ होकर राष्ट्रपिता

> **केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 'सेवा पखवाड़ा' सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प को धरातल पर उतारने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने राज्यों से आह्वान किया कि पखवाड़े के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए तथा योजनाओं की अंतिम छोर तक डिलीवरी सुनिश्चित की जाए।**

महात्मा गांधी जी की जयंती 2 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। इस दौरान सेवा, समर्पण एवं जनभागीदारी की भावना के साथ विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों को व्यापक स्तर पर संचालित किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन में 'सेवा पखवाड़ा' सेवा, समर्पण और जनभागीदारी की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का व्यापक अभियान है। उत्तर प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में विकास एवं जनकल्याण की योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में सेवा पखवाड़े के दौरान प्रधानमंत्री ग्रामीण

आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) के अंतर्गत स्वीकृत आवासों को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने तथा पात्र लाभार्थियों को सीधे लाभ पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही विकसित भारत-जी राम जी तथा अन्य ग्रामीण रोजगार पहलों के अंतर्गत गांवों में ग्रामीण सड़कों, खेल मैदानों सहित बुनियादी अवस्थापना के विकास को गति देने पर जोर रहेगा। श्री मौर्य ने कहा कि लखपति दीदी एवं महिला सशक्ति-करण को भी अभियान में प्रमुखता दी जाएगी। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, उनके कौशल विकास एवं आजीविका के अवसर बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे।

नशे की लत पूरी करने के लिए बाइक चोरी, बिजनौर पुलिस ने आरोपी को दबोचा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। बिजनौर पुलिस ने बाइक चोरी के मामले का खुलासा करते हुए एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की गई एक मोटरसा-इकिल बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अभिषेक यादव (22) पुत्र प्रमोद यादव, निवासी परवर पश्चिम, थाना बिजनौर, लखनऊ के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, 12 मार्च 2026 को रमेश कुमार निवासी जफरखेड़ा, थाना कृष्णानगर ने बाइक चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इस संबंध में बिजनौर थाने में मुकदमा संख्या 74/2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देश पर दो टीमों का गठन किया गया था। पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी व मैनुअल साक्ष्यों तथा स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से जांच आगे बढ़ाई। मंगलवार को पुलिस ने आरोपी अभिषेक यादव को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद हुई। आरोपी को आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह नशे का आदी है और नशे व अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए भीड़भाड़ वाले स्थानों पर खड़े वाहनों को निशाना बनाता था। मौका देखकर वाहन चोरी करने के बाद उन्हें बेच देता था और उससे मिलने वाले पैसों को नशे तथा अन्य जरूरतों पर खर्च करता था।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ लखनऊ के विभिन्न थानों में पहले से लूट, चोरी, बरामदगी और धोखाधड़ी समेत पांच मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने वर्तमान मामले में धारा 303(2) बीएनएस के साथ धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की है। कार्रवाई करने वाली टीम में उपनि-रीक्षक गजय सिंह, आनन्द प्रताप सिंह, तेजवीर सिंह तथा कांस्टेबल बृजेश गॉड और दिनेश चौरसिया शामिल रहे।

फास्ट न्यूज

यूपी में सीजन में पहली बार बारिश का कोटा फुल

लखनऊ/वाराणसी/प्रयाग-राज/कानपुर/वाराणसी। यूपी में मानसून सीजन की बारिश का कोटा फुल हो चुका है। मंगलवार को लखनऊ, वाराणसी और प्रयागराज समेत 10 शहरों में हल्की बारिश हुई। 24 घंटे में 55 जिलों में औसत बारिश 4.4 रिकॉर्ड की गई। लगातार 2 हफ्तों की बारिश और बांधों से छोड़े गए पानी के कारण गंगा और यमुना समेत 10 से ज्यादा नदियां उफान पर हैं। 26 जिलों में करीब 3.5 लाख की आबादी बाढ़ से घिरी हुई है।

4 करोड़ की निर्माणाधीन टंकी नदी में समाई

बरेली। यूपी के बरेली में 4 करोड़ रुपए की निर्माणाधीन पानी की टंकी किच्छा नदी में समा गई। मंगलवार सुबह नदी में तेज बहाव के चलते कटान तेजी से हुआ। टंकी हिलने लगी और देखते ही देखते 4 सेकेंड में नदी में ढह गई। 4 दिन पहले ही इसकी बाउंड्रीवाल बह गई थी। जानकारी मिलते ही एसडीएम निधि मौके पर पहुंचीं और अफसरों और ग्रामीणों से जानकारी ली। जल जीवन मिशन के तहत 2023 से टंकी का निर्माण चल रहा था। इसका ढांचा तैयार हो चुका था, जबकि टंकी लगाने का काम बाकी था। पाइपलाइन भी बिछाई जा चुकी थी।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में मंगलवार को एएसजे/पॉक्सो न्यायालय के न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार ने आरोपी वासुदेव विश्वकर्मा को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने आरोपी पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। मामले में वर्ष 2023 में पीड़िता के पिता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज हुआ था। मामला इटवा थाना क्षेत्र का है।

सेवा संकल्प अभियान में उच्च शिक्षा संस्थानों की होगी व्यापक भागीदारी : उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय

विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में स्वच्छता, वृक्षारोपण, नुक्कड़ नाटक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सेवा, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण की भावना को लोगों तक पहुंचाने के लिए चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान में प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों को बड़े स्तर पर जोड़ा जाएगा। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने मंगलवार को लखनऊ स्थित विधानसभा कार्यालय में बैठक कर राज्य और निजी विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों को अभियान के कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव, विशेष सचिव और निदेशक उच्च शिक्षा समेत विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। वहीं राज्य एवं निजी विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव और अन्य अधिकारी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। मंत्री ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले अभियान के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

25 वर्षों के सेवाकाल की जनक-ल्याणकारी उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही नागरिकों को विकसित भारत 2047 के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल आयोजन करना नहीं है, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति सेवा भावना को मजबूत करना और प्रदेश में हुए सकारात्मक बदलावों को विद्यार्थियों तथा आम लोगों तक पहुंचाना है। 'कहानी बदलाव' कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में हुए सकारात्मक परिवर्तनों को सामने लाने के निर्देश दिए गए। इसमें नए विभाग, फैकल्टी, भवन, प्रयोगशालाएं, शैक्षिक सुविधाओं और विद्यार्थियों के लिए शुरू की गई नई व्यवस्थाओं से जुड़े अनुभव रिकॉर्ड किए जाएंगे। विद्यार्थियों से यह भी जाना जाएगा कि पहले संस्थान में क्या स्थिति थी और नई सुविधाएं मिलने के बाद उनकी पढ़ाई और शैक्षिक जीवन में कितना बदलाव आया। इन अनुभवों को वीडियो, लिखित कहानी और साक्षात्कार के रूप में तैयार कर सोशल मीडिया पर साझा किया जाएगा। 'सेवा में मेरा योगदान' कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को श्रमदान, स्वच्छता, सौंदर्यीकरण और वृक्षारोपण जैसी गतिविधियों से जोड़ा जाएगा। संस्थान अपने परिसर, पार्कों, सार्वजनिक स्थानों और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चला सकेंगे।

योगी सरकार का सड़क सुरक्षा विजन

हादसों पर रोक के लिए जीरो फैटैलिटी डिस्ट्रिक्ट योजना को मिशन मोड में लागू करने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सड़क दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली जनहानि को न्यूनतम करने के विजन के तहत प्रदेश में सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में लखनऊ स्थित पुलिस मुख्यालय में जीरो फैटैलिटी डिस्ट्रिक्ट (जेडएफडी) योजना के तृतीय एवं चतुर्थ चरण की क्रिटिकल कॉरिडोर टीमों के प्रभारियों की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें 59 जिलों के 213 दुर्घटना बाहुल्य स्थानों पर गठित 228 क्रिटिकल कॉरिडोर टीमों के प्रभारी और जेडएफडी नोडल अधिकारियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में हादसों के मूल कारणों की वैज्ञानिक पहचान कर उनकी रोकथाम पर विशेष जोर दिया गया। डीजीपी ने स्पष्ट किया कि क्रिटिकल कॉरिडोर टीमों की जिम्मेदारी केवल दुर्घटना के बाद कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि हादसों को रोकना भी उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक दुर्घटना के बाद उसके कारणों की समीक्षा कर यह पता लगाया जाए कि व्यवस्था में कौन सी कमी के कारण हादसा हुआ और उसकी पुनरावृत्ति रोकने के लिए क्या सुधार जरूरी है। उन्होंने आवश्यक प्रवर्तन, सड़क सुरक्षा उपाय और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ प्रक्रिया का सही और लगातार पालन करने पर भी जोर दिया। बताया गया कि जेडएफडी योजना के सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं।

हादसों को महज संयोग न मानें, मूल कारण तलाशें: डीजीपी

यूपी डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को केवल आकस्मिक घटना मानकर नहीं चलना चाहिए। प्रत्येक हादसे के पीछे मौजूद कारणों की पहचान कर उन्हें दूर करना जरूरी है। उन्होंने क्रिटिकल कॉरिडोर टीमों को अपने-अपने क्षेत्र में दुर्घटना संभावित स्थानों और उनके कारणों की पहचान कर मिशन मोड में प्रभावी रोकथाम और प्रवर्तन कार्रवाई करने के निर्देश दिए। डीजीपी ने कहा कि दुर्घटना रोकथाम और दुर्घटना की विवेचना दोनों विशेषज्ञता वाले कार्य हैं, उन्होंने संबंधित विभागों के साथ लगातार समन्वय और चिन्हित कमियों के समाधान का फॉलोअप करने के भी निर्देश दिए।

- *हादसे को महज संयोग न मानें, मूल कारण तलाश कर करें स्थायी समाधान- डीजीपी राजीव कृष्ण
- *59 जिलों की 228 टीमों को मिला प्रशिक्षण, डीजीपी ने कहा- दुर्घटना रोकना भी टीम की जिम्मेदारी
- *जेडएफडी के जरिए 1 हजार से ज्यादा लोगों की जान बचाई गई, दुर्घटनाओं में 6.97 व मृतकों में 8.03 प्रतिशत की कमी आई
- *हादसे रोकने में बेहतर काम करने वाली टीमों को डीजीपी ने किया सम्मानित

15 दिन के धरने की चेतावनी के बाद जागा प्रशासन, बेईमानों ने श्मशान को भी नहीं बख्शा था - संजय सिंह

सांसद संजय सिंह के अल्टीमेटम का बड़ा असर: अयोध्या के बदहाल श्मशान घाट का मरम्मत कार्य शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित करने की तैयारी की जा रही है। अभियान में प्रदेश के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इसके तहत उच्च शिक्षा संस्थानों में विभिन्न सेवा, स्वच्छता, पौधरोपण और रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने मंगलवार को लखनऊ स्थित विधानसभा कार्यालय में अभियान को लेकर बैठक की। बैठक में राज्य और निजी विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों को अभियान से जोड़ने और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई। अभियान में विद्यार्थियों की शैक्षिक दस्तावेजों से संबंधित समस्याओं को भी प्राथमिकता दी जाएगी।

विकास के नाम पर हज़ारों करोड़ का खर्च, फिर भी श्मशान की हालत बदहाल - संजय सिंह

सांसद संजय सिंह ने कहा कि चार दिन पहले उन्होंने अयोध्या के एक बदहाल श्मशान घाट की तस्वीरें साझा कर सरकार और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा, यह अत्यंत दुखद है कि जिस अयोध्या में विकास के नाम पर हज़ारों करोड़ रुपये खर्च किए गए, वहां बेईमानों ने श्मशान घाट तक को नहीं बख्शा। अंतिम संस्कार के लिए जाने वाले परिजनों को घाट तक पहुँचने में भारी तकलीफ उठानी पड़ रही थी, जो कि आस्था और मानवता दोनों के साथ खिलवाड़ था।

15 दिन के धरने की दी थी चेतावनी, 4 दिन में झुका प्रशासन

संजय सिंह ने बताया कि उन्होंने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी थी कि यदि 15 दिनों के भीतर श्मशान घाट का काम शुरू नहीं हुआ, तो वह स्वयं उसी श्मशान घाट पर धरने पर बैठेंगे। उन्होंने कहा, हमारी 15 दिन बाद धरने की पूरी तैयारी थी।

सेवा संकल्प अभियान के दौरान विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में स्वच्छता एवं श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विद्यार्थी परिसर के सौंदर्यीकरण के साथ पौधरोपण में भी हिस्सा लेंगे। इन गतिविधियों के जरिए विद्यार्थियों को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने और शिक्षा संस्थानों को सेवा गतिविधियों का केंद्र बनाने का प्रयास किया जाएगा।

'कहानी बदलाव' में दिखेगा संस्थानों का परिवर्तन

अभियान के तहत 'कहानी बदलाव' कार्यक्रम भी चलाया जाएगा। इसमें उच्च शिक्षा संस्थानों में हुए सकारात्मक बदलावों को सामने लाने की योजना है। विश्वविद्यालय और महाविद्यालय अपने यहां विकसित हुए नए विभाग, फैकल्टी, भवन, प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं से जुड़े बदलावों को सामने रख सकेंगे। विद्यार्थियों के अनुभवों को भी वीडियो, लिखित कहानियों और साक्षात्कार के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा।

विद्यार्थियों को सेवा कार्यों से जोड़ने पर जोर

सेवा संकल्प अभियान के दौरान विद्यार्थियों को समाजसेवा से जुड़ी गतिविधियों में भाग लेने का अवसर दिया जाएगा। इसके तहत स्वच्छता अभियान, श्रमदान, परिसर के सौंदर्यीकरण और पौधरोपण जैसी गतिविधियां कराई जाएंगी। इसके अलावा विद्यार्थियों को रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से भी अभियान से जोड़ा जाएगा।

जिला पंचायत के अभियंताओं एवं अवर अभियंताओं का 03 दिवसीय व्यावहारिक तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। पंचायती राज विभाग द्वारा संचालित पंचायती राज प्रशिक्षण संस्थान (प्रिट) के अन्तर्गत श्री ओम प्रकाश राजभर, मा० मंत्री पंचायती राज विभाग, उ०प्र० की प्रेरणा से व श्री अनिल कुमार, प्रमुख सचिव, पंचायती राज विभाग, उ०प्र० शासन के कुशल मार्गदर्शन में जिला पंचायत के अभियंताओं एवं अवर अभियंताओं का 03 दिवसीय व्यावहारिक तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 08 सितम्बर 2026 को मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एम.एन.एन.आई.टी.), प्रयागराज में कराया जा रहा है। इस प्रकार का प्रशिक्षण अभिनव पहल के रूप में पहली बार किसी राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में उनके सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। प्रथम चरण में 80 प्रतिभागियों का 40-40 के 02 बैच में प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। द्वितीय बैच का आयोजन दिनांक 22 से 24 सितम्बर, 2026 के मध्य एम.एन.एन.आई.टी., प्रयागराज में किया जायेगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य जिला पंचायतों में कार्यरत अभियंताओं एवं अवर अभियंताओं को पंचायतों में कराए जा रहे विकास एवं निर्माण कार्यों के तकनीकी पक्ष, गुणवत्तापूर्ण निर्माण, नवीन तकनीकों, कार्यों की प्रभावी निगरानी एवं व्यावहारिक तकनीकी प्रक्रियाओं से अद्यतन कराना है। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रायोगिक तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा जोकि प्रतिभागियों को प्राक्कलन, मानचित्र एवं डी०पी०आर० आदि तैयार करने में कार्य कुशलता प्रदान करेगा।

बंथरा में परचून की दुकान का ताला तोड़कर 10 बोरी नमक चोरी

गाड़ी में लादकर फरार हुए चोर, सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई वारदात

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में चोरों ने एक परचून की दुकान को निशाना बनाते हुए हजारों रुपये कीमत की टाटा नमक की 10 बोरियां चोरी कर लीं। चोर दुकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और नमक की बोरियां एक गाड़ी में लादकर मौके से फरार हो गए। चोरी की पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित दुकानदार के मुताबिक, घटना सात सितंबर की देर रात करीब दो बजे की है। रात के सन्नाटे में चोर दुकान के बाहर रखे नमक की बोरियों को उठाकर ले जाने लगे। इसके बाद दुकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और टाटा नमक की करीब 10 बोरियां गाड़ी में लाद लीं। सीसीटीवी फुटेज में चोरों की गतिविधियां और वारदात को अंजाम देने का पूरा घटनाक्रम रिकॉर्ड हुआ है। सुबह दुकान पहुंचने पर चोरी की जानकारी होने पर दुकानदार ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पीड़ित ने बंथरा पुलिस को तहरीर देकर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। घटना के बाद क्षेत्र के अन्य दुकानदारों में भी चोरी को लेकर चिंता बढ़ गई है।

बेटे के चाकू से हमले में घायल पिता की इलाज के दौरान मौत

लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के उत्तरगांव में करीब तीन सप्ताह पहले बेटे के चाकू से हमले में घायल हुए बाबूलाल की मंगलवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, मौत का स्पष्ट कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आएगा। मामले में आरोपी बेटा पहले से ही न्यायिक अभिरक्षा में जेल में निरुद्ध है।

पुलिस के अनुसार, 14 अगस्त को उत्तरगांव निवासी बाबूलाल पर उनके पुत्र शिव कुमार उर्फ गुड्डू (40) ने चाकू से जानलेवा हमला किया था। घटना के संबंध में मोहनलालगंज थाने में मु0अ0सं0 304/2026, धारा 109(1) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। घायल बाबूलाल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के बाद 15 अगस्त को चिकित्सकों ने बाबूलाल को अस्पताल से छुट्टी दे दी थी। इसके बाद वह घर पर रह रहे थे और पुलिस के अनुसार उनका स्वास्थ्य सामान्य चल रहा था।

एमआईईटी इनक्यूबेशन फोरम को 'बेस्ट प्रॉमिसिंग इनक्यूबेटर 2026' अवार्ड

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। नवाचार और स्टार्टअप के क्षेत्र में मेरठ ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। लखनऊ में आयोजित 'यूपी स्टार्टअप संवाद 3.0' में एमआईईटी इनक्यूबेशन फोरम को 'बेस्ट प्रॉमिसिंग इनक्यूबे-टर 2026' अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उत्तर प्रदेश के स्टार्टअप एवं उद्यमिता इकोसिस्टम को मजबूत करने तथा नवोदित उद्यमियों को प्रोत्साहित करने में फोरम के उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के इनोवेशन हब यूपी की ओर से किया गया। इसका उद्देश्य प्रदेश में नवाचार, उद्यमिता, निवेश और स्टार्टअप इकोसिस्टम को और अधिक सशक्त बनाना रहा। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, अटल इनोवेशन मिशन के मिशन निदेशक दीपक बागला, प्राविधिक शिक्षा विभाग की महानिदेशक एवं सचिव सेल्वा कुमारी जे., यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हिमांशु कौशिक तथा एकेटीयू के कुलपति प्रो. जेपी पांडेय सहित कई प्रमुख अतिथि मौजूद रहे। मेरठ की ओर से एमआईईटी के कैंपस निदेशक प्रो. डॉ. संजय कुमार सिंह और एमआईईटी इनक्यूबेशन फोरम के सीईओ रेहान अहमद ने यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त किया। प्रो. डॉ. संजय कुमार सिंह ने कहा कि एमआईईटी युवाओं में नवाचार, रचनात्मकता और उद्यमिता की भावना विकसित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि एमआईईटी इनक्यूबेशन फोरम से 100 से अधिक स्टार्टअप जुड़े हुए हैं, जिन्हें नवाचार, उद्यम विकास, मेंटरशिप और नए अवसरों के लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवा उद्यमियों के प्रयासों को मजबूत करते हुए विकसित भारत-2047 के लक्ष्य में योगदान देना संस्थान की प्रमुख प्राथमिक-ताओं में शामिल है। फोरम के सीईओ रेहान अहमद ने कहा कि युवाओं और नवोदित उद्यमियों को बेहतर मार्गदर्शन, संसाधन, नेटवर्किंग और सहयोग उपलब्ध कराना फोरम का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि एमआईईटी इनक्यू-बेशन फोरम उत्तर प्रदेश के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने और स्थानीय स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। इस उपलब्धि पर संस्थान के चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल और बरखा अग्रवाल ने एमआईईटी इनक्यूबेशन फोरम की पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सम्मान संस्थान के नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के प्रयासों का परिणाम है और इससे युवाओं को अपने स्टार्टअप एवं नए विचारों को आगे बढ़ाने के लिए और अधिक प्रेरणा मिलेगी।

गुमशुदगी के 5वें दिन मिली, परिजनों ने लगाया दुष्कर्म का आरोप, पुलिस ने बताया हादसा

9वीं की छात्रा की मौत पर हंगामा

कार्रवाई

- एसएन मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान किशोरी की मौत हो गई, पोस्टमार्टम हाउस पर परिजनों हंगामा कर दिया।
- पुलिस की कार्रवाई से नाराज लोगों ने पोस्टमार्टम पर हंगामा काटा और आरोपी को पकड़ कर जेल भेजने की मांग की।

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। छत्ता थाना क्षेत्र से 5 दिन पहले लापता हुई 16 साल की नाबालिग वाटर बॉक्स चौराहे पर

घायल मिली। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने पहले गुमशुदगी पर कार्रवाई नहीं की और बाद में इसे एक्सीडेंट बताकर पल्ला झाड़ लिया। एसएन मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मंगलवार को नाबालिग की मौत हो गई। पोस्टमार्टम की बात पर वाल्मीकि समाज ने हंगामा कर दिया। परिजनों ने दुष्कर्म की आशंका जताते हुए पुलिस पर आरोपी को छोड़ने का आरोप लगाया है। परिजनों के मुताबिक, उनकी बेटी 28 अगस्त की शाम खाटू श्याम मंदिर जाने की बात कहकर घर से निकली थी।

> "परिजनों का कहना है कि बेटी के शरीर पर हाथ-पैर में चोट के निशान नहीं थे। अस्पताल में भर्ती के दौरान गुप्तांग से लगातार ब्लीडिंग हो रही थी। इसी आधार पर वे दुष्कर्म की आशंका जता रहे हैं। उनका यह भी आरोप है कि जब बेटी अस्पताल में भर्ती थी, तब एक युवक वहां आया था और इलाज के लिए पैसे देने की बात कहकर भाग गया।

5 दिन बाद हादसे में घायल होने की सूचना

पुलिस के मुताबिक, 1 सितंबर को वाटर बॉक्स चौराहे पर एक किशोरी के हादसे में घायल होने की सूचना मिली। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पहचान नहीं हो पाने के कारण पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसी दौरान छत्ता पुलिस लंगड़े की चौकी स्थित परिजनों तक पहुंची और घायल किशोरी के बारे में जानकारी दी। परिजन जब अस्पताल पहुंचे तो किशोरी की हालत गंभीर थी।

परिजनों का आरोप- 4 दिन कहां थी बेटी

पुलिस ने उसे अब तक नहीं पकड़ा है। गुस्साए परिजनों ने कहा- अगर गुमशुदगी की रिपोर्ट पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की होती तो बेटी आज जिंदा होती। 12 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं।

मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम की सूचना पर बस्ती के सैकड़ों लोग एसएन पहुंच गए।

उन्होंने डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम और कार चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और समझाने का प्रयास किया।

28 अगस्त से लापता थी छात्रा

छत्ता थाना क्षेत्र के लंगड़े की चौकी की रहने वाली कक्षा 9 की 16 साल की छात्रा की मौत के बाद मंगलवार को एसएन मेडिकल कॉलेज के पोस्टमार्टम हाउस पर हंगामा हो गया।

परिजनों और वाल्मीकि समाज के लोगों ने पुलिस पर लापरवाही और आरोपी को बचाने का आरोप लगाया। पुलिस का कहना है।

कि छात्रा सड़क हादसे में घायल हुई थी।

जबकि परिजन इसे दुष्कर्म का मामला बता रहे हैं।

अलीगढ़ में ऑपरेशन के बाद मरीज की मौत

परिजन ने अस्पताल में हंगामा किया

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ में एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान एक मरीज की मौत हो गई। खैर क्षेत्र के रहने वाले अमित सक्सेना की मौत के बाद परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। अमित सक्सेना को गले में मवाद की गंभीर शिकायत थी। परिजनों ने उन्हें तीन दिन पहले रामघाट रोड स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। डॉक्टरों ने इलाज का भरोसा दिया था, लेकिन ऑपरेशन के बाद उनकी हालत बिगड़ती चली गई। तमाम कोशिशों के बावजूद उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ और 7 सितंबर 2026 की रात करीब 11 बजे उनकी मौत हो गई। मृतक के भतीजे रोहित कुमार ने बताया कि उनके चाचा का शुगर स्तर बहुत

अधिक था। इसकी जानकारी डॉक्टरों को पहले ही दे दी गई थी। रोहित कुमार का आरोप है कि डॉक्टरों ने शुगर नियंत्रित किए बिना जल्दबाजी में ऑपरेशन कर दिया। उनका कहना है कि अगर डॉक्टर लापरवाही न बरतते तो उनके चाचा की जान बच सकती थी। अमित सक्सेना की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए हंगामा किया। सूचना मिलते ही थाना क्वार्सी पुलिस मौके पर पहुंची।

फास्ट न्यूज

अगले 5 दिन बूंदाबांदी-बारिश के आसार नहीं

आगरा। आगरा में मंगलवार सुबह से मौसम साफ है। बादल छटे हुए हैं। धूप निकल रही है। बूंदाबांदी या बारिश की संभावना नहीं है। दिन में कुछ समय के लिए बादल जरूर छा सकते हैं। 13 सितंबर तक ऐसा ही मौसम रहेगा। बीच-बीच कुछ देर के लिए बादल छाये रह सकते हैं लेकिन बूंदाबांदी या बारिश की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार से अगले 5 दिन बारिश या बूंदाबांदी की संभावना नहीं है।

बारिश में गल रहे दवा माफियाओं के खिलाफ अहम सबूत

आगरा। नकली दवाओं के कारोबार पर कार्रवाई कर आरोपियों से जब्त किया गया माल ही अब औषधि विभाग की लापरवाही का शिकार हो रहा है। छापों में जब्त नकली, फिजीशियन सैंपल, एक्सपायर और हॉस्पिटल सप्लाई की दवाएं सुरक्षित रखने के बजाय खुले में पड़ी हैं। बारिश में भीगने से इनके रैपर, प्रिंटिंग और कार्टन गल रहे हैं। कई दवाओं की पहचान तक मुश्किल हो गई है। जबकि आपराधिक मामलों में यही जब्त माल आरोपियों के खिलाफ अहम सबूत होता है।

फर्नीचर शोरूम में लगी भीषण आग

मथुरा। मथुरा शहर कोतवाली क्षेत्र के बीएसए मार्ग पर स्थित कृष्ण विहार कॉलोनी में सोमवार शाम करीब 6:30 बजे पांडेय फर्नीचर शोरूम में आग लग गई। शोरूम में रखे फोम, गद्दे, सोफे,बेड और फर्नीचर के कारण आग तेजी से फैल गई। कुछ ही देर में शोरूम से आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार उठने लगा। इस घटना से आसपास के दुकानदारों और राहगीरों में अफरातफरी मच गई।

बीएससी के छात्र ने की आत्महत्या

पीजी के कमरे में फंदे से लटका मिला शव, सुसाइड के कारणों का नहीं चला पता

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा के छाता थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात एक बीएससी छात्र ने अपने किराए के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। काफी देर तक कमरे से किसी तरह की हलचल नहीं होने पर पीजी संचालक को संदेह हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे का दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई। कमरे में छात्र का शव फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान फिरोजाबाद जिले के बहादुरपुर सराय मुरलीधर गांव निवासी सरनाम सिंह के 21 वर्षीय बेटे हेमंत कुमार के रूप में हुई है। हेमंत संस्कृति यूनिवर्सिटी में बीएससी द्वितीय वर्ष का छात्र था और पढ़ाई के लिए छाता कस्बे में किराए के मकान में रह रहा था। बताया गया कि हेमंत छाता कस्बे में गोवर्धन चौराहे के पास रामकृष्ण के मकान में रह रहा था। सोमवार देर रात काफी समय बीत जाने के बाद भी

उसके कमरे से किसी प्रकार की गतिविधि या आवाज सुनाई नहीं दी।

कमरे में रहने वाले छात्र की कोई जानकारी नहीं मिलने पर मकान मालिक को शक हुआ। इसके बाद उन्होंने पुलिस को मामले की सूचना दी। सूचना मिलते ही छाता कस्बा चौकी प्रभारी अंकित मलिक पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो हेमंत के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस ने पीजी संचालक की मदद से दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन जब दरवाजा नहीं खुला तो उसे तोड़ा गया। दरवाजा खुलने के बाद पुलिसकर्मियों ने अंदर जाकर देखा तो हेमंत का शव फंदे पर लटका हुआ था। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों को भी अवगत कराया। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया। टीम ने छात्र के कमरे की जांच की और घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए। जांच की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुलिस ने शव को नीचे उतारकर कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ ही कमरे और आसपास मौजूद लोगों से भी जानकारी जुटाई। पुलिस ने छात्र की मौत की जानकारी उसके परिजनों को दे दी है। परिजनों के आने के बाद पुलिस उनसे छात्र की दिनचर्या, पढ़ाई और हाल के दिनों की परिस्थितियों के बारे में जानकारी ले सकती है। हेमंत की अचानक मौत की खबर मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई करने की बात कह रही है।

जंगला काटकर अंदर घुसे चोर, घुटने के बल चलकर आए, दानपात्र उठाकर ले गए

हनुमान मंदिर में चौथी बार चोरी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में अछनेरा-फरह मार्ग स्थित प्रसिद्ध बुर्जा वाले हनुमान मंदिर में सोमवार देर रात चोरी की वारदात सामने आई है। तीन चोर मंदिर के पीछे लगे लोहे के जंगले को काटकर परिसर में दाखिल हुए और दानपात्र उठाकर फरार हो गए। वारदात के दौरान चोरों ने मंदिर में लगे CCTV कैमरों को कपड़े से ढक दिया, ताकि उनकी गतिविधियां कैमरे में रिकॉर्ड न हो सकें। मंदिर के महंत विश्वनाथ के मुताबिक, चोरी की घटना रात करीब 3 बजे हुई। तीनों चोरों ने चेहरे ढक रखे थे। मंदिर में प्रवेश करने के बाद उन्होंने पहले CCTV कैमरों को कपड़े से ढका और इसके बाद घुटने के बल चलते हुए दानपात्र तक पहुंचे। दानपात्र उठाने के बाद वे मंदिर से बाहर निकल गए। चोरों ने मंदिर में प्रवेश

करने के लिए पीछे की ओर लगे लोहे के जंगले को निशाना बनाया। उन्होंने जंगला काटकर रास्ता बनाया और इसी के जरिए मंदिर के अंदर दाखिल हुए। महंत के अनुसार, तीनों चोर मुंह ढके हुए थे। मंदिर में पहुंचने के बाद उन्होंने सावधानी से आगे बढ़ते हुए CCTV कैमरों को कपड़े से ढक दिया। इसके बाद दानपात्र को उठाकर मंदिर से बाहर निकल गए। वारदात के तरीके से अंदाजा लगाया जा रहा है कि चोरों ने मंदिर की गतिविधियों और सुरक्षा व्यवस्था पर पहले से नजर रखी हो सकती है। हालांकि, यह जांच का विषय है कि आरोपियों ने मंदिर की कितनी पहले रेकी की थी। चोरी की वारदात में चोरों ने काफी सावधानी बरती। महंत के मुताबिक, मंदिर के अंदर पहुंचने के बाद तीनों चोर घुटने के बल चलते हुए दानपात्र तक पहुंचे। उन्होंने पहले CCTV कैमरों को कपड़े से ढक दिया और इसके बाद दानपात्र उठाया। दानपात्र लेकर तीनों मंदिर से बाहर निकले और कुछ दूरी पर स्थित खेत की ओर चले गए। बाद में पुलिस को मंदिर से कुछ दूरी पर खेत में दानपात्र खाली हालत में पड़ा मिला। माना जा रहा है कि चोरों ने खेत में ही दानपात्र खोलकर उसमें रखी रकम निकाल ली और खाली पेटी वहीं छोड़कर फरार हो गए। महंत विश्वनाथ ने बताया कि दानपात्र में करीब तीन महीने से श्रद्धालुओं की ओर से दिया गया चढ़ावा जमा था। इसी कारण उसमें काफी रकम होने की संभावना जताई जा रही है।

सीसीटीवी फुटेज से चोरों की पहचान में जुटी पुलिस

पुलिस ने मंदिर में लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। हालांकि चोरों ने वारदात से पहले कैमरों पर कपड़ा डाल दिया था। पुलिस फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों की पहचान करने में जुटी है। मंदिर के महंत विश्वनाथ ने बताया कि पिछले कुछ समय में मंदिर में चोरी की यह चौथी घटना है। उनका आरोप है कि हर वारदात के बाद पुलिस मौके पर पहुंचती है, लेकिन अभी तक किसी भी चोरी का खुलासा नहीं हुआ है।

16 पर एफआईआर, लेनदेन और लोगों की भूमिका की जांच

सरकारी जमीन को निजी बताकर बेचने की कोशिश

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा की सदर तहसील क्षेत्र में सरकारी जमीन को निजी संपत्ति बताकर बेचने की कथित कोशिश का मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ लोगों ने सरकारी जमीन पर अपना मालिकाना हक जताते हुए अलग-अलग व्यक्तियों के साथ बिक्री के लिए एग्रीमेंट तक कर लिए। मामला सामने आने के बाद तहसील प्रशासन ने जमीन से जुड़े रिकॉर्ड की जांच कराई। जांच में कई जमीनों के सरकारी होने की बात सामने आने के बाद प्रशासन ने पुलिस कार्रवाई की है। तहसीलदार सदर अमित त्रिपाठी की शिकायत पर सदर कोतवाली पुलिस ने

सोमवार देर शाम कुल 16 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस अब जमीन से संबंधित दस्तावेजों, एग्रीमेंट और आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है। तहसील प्रशासन को जब इस मामले की शिकायत मिली तो संबंधित जमीनों के राजस्व रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेजों की जांच कराई गई।

मामले की जानकारी जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह तक पहुंचने के बाद उनके निर्देश पर तहसील प्रशासन ने जांच शुरू की। अधिकारियों ने संबंधित गांवों की जमीन के रिकॉर्ड और सामने आए एग्रीमेंट की जानकारी जुटाई। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर तहसीलदार सदर अमित त्रिपाठी ने सदर कोतवाली पुलिस को शिकायत दी।

रिकॉर्ड की जांच में सामने आई सरकारी जमीन

जांच के दौरान प्रशासन ने उन जमीनों के रिकॉर्ड खंगाले, जिनके संबंध में बिक्री के एग्रीमेंट किए जाने की जानकारी मिली थी। अधिकारियों के अनुसार, जांच में सामने आया कि इनमें से ज्यादातर जमीनें सरकारी श्रेणी की थीं। इसके बावजूद उन्हें निजी संपत्ति के तौर पर पेश कर बिक्री का प्रयास किए जाने का आरोप है।

कई गांवों की सरकारी जमीन पर एग्रीमेंट का आरोप

पुलिस के अनुसार मामला आड़की, भुडरुसू और तारसी समेत कई गांवों की जमीन से जुड़ा है।

आरोप है कि कुछ लोगों ने इन गांवों में स्थित सरकारी जमीन को अपनी निजी संपति बताते हुए उसे दूसरे लोगों को बेचने की कोशिश की।

आरोपियों में नेम सिंह, योगेंद्र, नारायण सिंह, राजू, डोरीलाल और राल समेत अन्य लोग शामिल बताए गए हैं।

सत्य निकेतन इमारत हादसे के विरोध में एनएसयूआई का प्रदर्शन

दोषियों पर कठोर कार्रवाई और उच्चस्तरीय जांच की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं और छात्रों ने दिल्ली के सत्य निकेतन में हुए इमारत हादसे के विरोध में मंगलवार सुबह करीब 11 बजे बीएसए कॉलेज के बाहर प्रदर्शन किया। छात्रों ने हादसे पर गुस्सा जताते हुए घटना की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। उन्होंने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग की। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सत्य निकेतन में हुआ इमारत हादसा एक गंभीर घटना है। छात्रों के अनुसार, हादसे में मरने वालों की संख्या सात तक पहुंच गई है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जर्जर और असुरक्षित भवनों के खिलाफ समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा हो सकती हैं। छात्रों ने राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। इसमें घटना की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर सख्त कार्रवाई और देशभर में जर्जर भवनों को चिन्हित कर तुरंत सुरक्षा कदम उठाने की मांग की गई। एनएसयूआई कार्यकर्ता हर्ष चौरसिया ने कहा कि छात्रों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। किसी भी छात्र या नागरिक की जान प्रशासनिक लापरवाही, भवनों की खराब स्थिति या सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण नहीं जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन को हादसे के बाद कार्रवाई करने के बजाय पहले से ही ऐसे भवनों की पहचान कर जरूरी कदम उठाने चाहिए। छात्रा परी कुमारी ने कहा कि जर्जर भवनों को लेकर प्रशासन को गंभीरता से अभियान चलाने की जरूरत है। स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थान और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भवनों की सुरक्षा जांच नियमित रूप से होनी चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि यदि किसी भवन में कमी मिलती है, तो उसे तुरंत खाली कराकर मरम्मत या जरूरी कार्रवाई की जानी चाहिए। छात्रों की सुरक्षा से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जा सकता।

पृष्ठ 01 का शेष...

झूठ की गूंज से ...

इसके बाद 'धुरंधर' का गाना 'आरी आरी' भी बजा। जंतर-मंतर प्रोटेस्ट के बाद बीजेपी का पूरा फोकस जेन-जी वोटर्स पर है। दरअसल, अगले साल 7 राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। इनमें 22.78% वोटर जेन-जी हैं। यूपी में सबसे ज्यादा 2.8 करोड़ जेन-जी वोटर हैं। इसलिए सभी पार्टियां उन्हें साधने में लगी हैं। पीएम ने कहा, 'वडोदरा तो गतिशक्ति यूनिवर्सिटी का शहर है। आज यहां से डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की कड़िया जुड़ गई हैं। आज यहां डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पूरा हो गया। ये 21वीं सदी के लिए ऐतिहासिक कार्य संपन्न हुआ है।' 'ये डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर इस बात का साक्षी है कि बीते 12 साल में देश की काम करने की संस्कृति कैसे बदली है। इस डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर 2004 में विचार शुरू हुआ था। कई नौजवानों का तब जन्म भी नहीं हुआ था। 2006 में एक विशेष कंपनी बनाई गई, 2014 तक फाइलें ही यहां से वहां होती रहीं। फाइलें टेबल पर यात्रा कर रही थीं। इन फाइलों को भी डेडिकेटेड कॉरिडोर नसीब नहीं हुआ।' पीएम मोदी की स्पीच शुरू हो गई है। उन्होंने गवर्नर और सीएम का अभिनंदन किया। वडोदरा में 'नमो फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम में शामिल भीड़ ने PM मोदी का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, इस महोत्सव का उद्देश्य डिजिटल भुगतान और वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में भारत के नेतृत्व को और मजबूत करना तथा संभावनाओं को वास्तविकता में बदलना है। पीएम नरेंद्र मोदी गुजरात के वडोदरा एयरपोर्ट पहुंचे। वडोदरा में वे 35,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही वे एक कार्यक्रम में Gen-Z युवाओं से सीधा संवाद भी करेंगे। पीएम मोदी वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्राइट कॉरिडोर (WDFC) के तीन महत्वपूर्ण सेक्शंस देश को समर्पित करने वाले हैं। इनकी कुल लंबाई 326 रूट किमी है और इसे 20,700 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से विकसित किया गया है। न्यू साणंद (नॉर्थ), न्यू मकरपुरा, न्यू उमरगांव और न्यू JNPT (जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी), मुंबई से मालगाड़ी सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। साथ ही, वह टांडा रोड और वडोदरा (प्रताप-नगर) के बीच नई पैसेंजर ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाएंगे। इसके साथ, वे छोटा उदयपुर-धार प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में विकसित जोबट-टांडा रोड न्यू रेल लाइन को भी देश को समर्पित करेंगे। 329 किमी लंबी और 9,700 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत वाली तीन रेल प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास करेंगे। इनमें वडोदरा-रतलाम तीसरी और चौथी रेल लाइन्स, मियागाम करजन-चोरंदा-मालसर गेज कंवर्जन और विश्वामित्री-दभोई रेल लाइन डबलिंग प्रोजेक्ट शामिल हैं। करीब 1,780 करोड़ रुपए की लागत वाली तीन नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स का भी शिलान्यास करेंगे। इसमें NH-48 के कामरेज-चलथान सेक्शन की सिक्स-लेनिंग, NH-48 के वडोदरा-सूरत सेक्शन पर तापी और नर्मदा नदियों पर प्रमुख पुलों के साथ अतिरिक्त संरचनाओं का निर्माण और NH-53 पर अभवा, मिंधोला और खाजोद जंक्शनों पर ग्रेड-सेपरेटेड स्ट्रक्चर्स का निर्माण भी शामिल है। इसके अलावा, पीएम मोदी गुजरात सरकार की करीब 2,600 करोड़ रुपए के विभिन्न प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे।

दिल्ली पीजी हादसा...

सुनवाई 25 सितंबर को होगी। इधर, MCD के मुताबिक इस साल की शुरुआत में हुए एक सर्वे में 27 लाख 84 हजार 286 इमारतों का सर्वे किया गया, जिनमें से केवल 19 खतरनाक पाई गईं थीं। दिल्ली के बिल्डिंग हादसे के बाद मंगलवार को दिल्ली यूनिवर्सिटी के कुलपति के प्रोग्राम में शामिल होने पर NSUI ने विरोध प्रदर्शन किया। NSUI ने कुलपति पर छात्रों की छात्रों की सुरक्षा और हादसे से प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदनहीनता का आरोप लगाते हुए उनके तत्काल इस्तीफे की मांग की। छात्रों से वीसी से सवाल किया कि इस मामले की जिम्मेदारी कौन लेगा। इस मामले में 7 लोगों की मौत हुई है, जिसमें 5 छात्र भी शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, सत्य निकेतन में पांच मंजिला बिल्डिंग गिरने के मामले में प्रॉपर्टी मालिक उर्मिला गुप्ता, उनके पति हरिराम गुप्ता और बेटे महेश गुप्ता को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि प्रॉपर्टी उर्मिला गुप्ता के नाम पर रजिस्टर्ड है, लेकिन इसका प्रबंधन और संचालन उनके पति और बेटे के पास था। सोमवार रात इन तीनों को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। जस्टिस भव्य खराल ने हरिराम और उर्मिला को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में, जबकि महेश को 2 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस ने PG संचालकों और लेबर कॉन्ट्रैक्टर को पकड़ने के लिए भी तलाश शुरू कर दी है। उनकी भूमिका की जांच की जाएगी। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई। इनमें अभिषेक कुमार, अर्पित जाज, युवराज सोनी, पवन कुमार, सुरेंद्र सिंह, अक्षत सिंह, परम लाल कोरी शामिल हैं। सत्य निकेतन में 28 घंटे लंबा रेस्क्यू ऑपरेशन सोमवार शाम पूरा हुआ। मलबे से 12 लोग निकाले गए। 3 घायलों की हालत गंभीर है। हादसे के बाद MCD ने साउथ जोन के डिप्टी कमिश्नर राकेश कुमार को सोमवार को सस्पेंड कर दिया। उनके साथ चार इंजीनियरिंग अधिकारियों को भी विभागीय कार्रवाई पूरी होने तक सस्पेंड किया गया है। इसके बाद IAS अधिकारी शाश्वत सौरभ को MCD के साउथ जोन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। 2016 बैच के AGMUT कैडर के IAS अधिकारी सौरभ अभी साउथ वेस्ट जोन के डिप्टी कमिश्नर हैं। सत्य निकेतन 1965 से 1970 के बीच झुग्गीवासियों के पुनर्वास के लिए बसा था। 1970 के दशक में साउथ कैंपस शुरू होने के बाद कॉलेज बढ़े और यहां छात्र रहने लगे। कई मूल आवंटी मकान बेच चुके हैं। इस इलाके में करीब 300 मकान हैं। इनमें करीब 170 में पीजी हैं। अर्बन प्लानिंग एक्सपर्ट जगदीश ममगैन के मुताबिक दिल्ली की कई पुरानी इमारतें अतिरिक्त मंजिलों का भार सहने के हिसाब से नहीं बनाई गई हैं। दिल्ली के लगभग 75 लाख घरों में से केवल 1.75 लाख इमारतों के पास ही स्वीकृत बिल्डिंग लेआउट प्लान हैं।

राहुल का विमान पहली ...

वह आज रात भुएमऊ गेस्ट हाउस में रुकेंगे। बुधवार को वह दिशा की बैठक में शामिल होंगे। एयरपोर्ट पर राहुल के स्वागत में भारी भीड़ थी। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी, नेता असीम वकार समेत तमाम लोगों ने राहुल का स्वागत किया। लोग राहुल से मिलना चाहते थे। धक्का-मुक्की भी हुई। सिक्योरिटी में तैनात जवान ने एक युवक को धकेला तो राहुल ने उसे टोका। कई बार राहुल भीड़ से बचने के लिए खड़े भी हो गए। जानकारी के मुताबिक, एअर इंडिया की AI-1717 फ्लाइट दोपहर करीब 2:20 बजे दिल्ली से रवाना हुई थी। इसका लखनऊ पहुंचने का निर्धारित समय करीब 3:30 बजे था। लखनऊ एयरपोर्ट पर पहली लैंडिंग की कोशिश के दौरान एप्रोच अनस्टेबल होने पर गो-अराउंड किया गया। करीब 25 मिनट हवा में रहने के बाद विमान ने दोबारा रनवे की ओर एप्रोच लिया और दूसरी कोशिश में सुरक्षित लैंडिंग हुई। फिलहाल, इस इमरजेंसी स्थिति की वजह मौसम या कोई टेक्निकल समस्या थी, एयरलाइंस ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया है। लखनऊ से राहुल गांधी काफिला लेकर शाम 6 बजे रायबरेली पहुंचे। महराजगंज कस्बे में उनके स्वागत में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की भीड़ उमड़ पड़ी। करीब एक किलोमीटर तक लोग लाइन में लगे खड़े नजर आए। इसके बाद राहुल का काफिला गोल चौराहे पर पहुंचा। यहां भी लोग उनके स्वागत में खड़े थे। व्यापारियों के साथ राहुल बैठक कर सकते हैं। 9 सितंबर को राहुल भुएमऊ गेस्ट हाउस में जनता दरबार लगाएंगे। सुबह 11:30 बजे विकास भवन में दिशा की बैठक में शामिल होंगे।

एज फ्रॉड में 2 साल का बैन, आर्यन सावसानी वनडे, तन्मय बलोदा मल्टी-डे टीम में शामिल

रोहित यादव हुए अंडर-19 ऑस्ट्रेलिया सीरीज से बाहर

कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की अंडर-19 टीम से बाहर किए गए रोहित यादव की जगह आर्यन सावसानी और तन्मय बलोदा को शामिल किया गया है। आर्यन को ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए, जबकि तन्मय को मल्टी-डे मैच के लिए टीम में चुना गया है।

बंगाल के लेग स्पिनर रोहित यादव पर एज फ्रॉड के लिए BCCI ने शुक्रवार को 2 साल का बैन लगाया था। वे जुलाई में श्रीलंका दौरे पर गई भारत की अंडर-19 टीम का हिस्सा थे। उम्र में गड़बड़ी सामने आने के बाद उन्हें तुरंत टीम से बाहर कर दिया गया।

BCCI ने रोहित यादव पर एज फ्रॉड के लिए शुक्रवार को 2 साल का बैन लगाया था।

रोहित पर कार्रवाई की जानकारी क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल की प्रक्रिया के तहत सामने आई।

रोहित की उम्र में 27 महीने का अंतर

CAB ने अपने खिलाड़ियों के लिए प्री-सीजन दस्तावेज जांच अभियान चलाया था। इसी दौरान रोहित की उम्र से जुड़ी गड़बड़ी सामने आई। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके रिकॉर्ड में उम्र का अंतर 27 महीने का है।

रोहित ने बंगाल की अलग-अलग आयु वर्ग की टीमों का प्रतिनिधित्व किया है। CAB ने इसी तरह की उम्र संबंधी गड़बड़ियों के कारण 64 अन्य खिलाड़ियों पर भी प्रतिबंध लगाया है।

लक्ष्य रायचंदानी वनडे सीरीज में कप्तानी करेंगे

ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत की कप्तानी लक्ष्य रायचंदानी करेंगे। यशवर्धन चौहान उपकप्तान होंगे। 4-दिवसीय मैचों में दोनों की भूमिकाएं बदल जाएंगी। यशवर्धन कप्तान और लक्ष्य उपकप्तान होंगे।

इन खिलाड़ियों में भारत की अंडर-19 वर्ल्ड कप विजेता टीम के पूर्व सदस्य रवि कुमार भी शामिल हैं। रवि ने कैरेबियन में इंग्लैंड के खिलाफ 2022 के फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया था।

भारत अंडर-19 वनडे टीम

लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), यशवर्धन चौहान (उपकप्तान), रजत बघेल (विकेटकीपर), आर्यवीर सहवाग, वीके विनीत, कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनाल चौहान, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), वी यशवीर, शाविन विनोद, मोहित उलवा, चिगुरुपति वेंकट, काव्या पटेल और आर्यन सावसानी।

भारत अंडर-19 मल्टी-डे टीम

यशवर्धन चौहान (कप्तान), लक्ष्य रायचंदानी (उपकप्तान), सागर वीरक, कुशाग्र ओझा, मनाल चौहान, कुश पटेल, मानव कृष्णा (विकेटकीपर), अभिप्राय बिस्वास (विकेटकीपर), ईशान ओम, अयान अकरम, प्रणव राघवेंद्र, प्रियांशु सिंह, मोहित उलवा, आर्यन यादव और तन्मय बलोदा।

वनडे टीम में पूर्व भारतीय कप्तान वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग और राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ भी शामिल हैं। अन्वय जुलाई में श्रीलंका दौरे पर गई टीम का हिस्सा थे। उन्होंने दूसरे वनडे में 87 रन बनाए थे।

अन्वय द्रविड़ विकेटकीपर हैं। वह वनडे टीम में रजत बघेल के साथ दो विकेटकीपरों में शामिल हैं।

पूर्व तेज गेंदबाज ने खोली पाकिस्तान क्रिकेट की पोल

जेसन गिलेस्पी के पैसे खा गया पीसीबी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कोच रह चुके हैं। हालांकि, उनका कार्यकाल काफी विवादित रहा था जिसमें पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का दोष माना जाता है। उनके समय पाकिस्तान क्रिकेट में काफी कुछ बदल रहा था और ऐसे में गिलेस्पी को जिम्मेदारी मिली थी। अब गिलेस्पी ने खुलासा करते हुए बताया है कि पीसीबी ने अभी तक उनकी फीस नहीं दी है। गिलेस्पी ने साथ ही कहा कि जब से आकिब जावेद सेलेक्शन कमेटी में आए तब से सब कुछ बदल गया और यहीं से पाकिस्तान क्रिकेट की बुरे हाल शुरू हो गए। गिलेस्पी पाकिस्तान टीम के टेस्ट कोच नियुक्त किए गए थे। उनका कार्यकाल काफी कम समय का रहा था। गिलेस्पी ने कहा कि पीसीबी चाहती थी कि वह यसमैन बने जो उन्हें बर्दाश्त नहीं था।

उन्होंने टेलीग्राफ को दिए इंटरव्यू में कहा, ₹पीसीबी पर अभी भी उनके हजारों डॉलर उधार हैं, लेकिन मैं कभी यसमैन नहीं बनना चाहता था। मैं अपने उसूलों से समझौता नहीं करना चाहता था। मैंने अपने पूरे करियर में ऐसा नहीं किया और मैं इसे बदलने वाला भी नहीं हूं। उन्होंने कहा, मैं शांत रह सकता था। हर बात के लिए हां कह सकता था और सैलरी अपने घर ले जा सकता था, लेकिन मैं ऐसा नहीं हूं। मुझे कहीं न कहीं पता था कि मुझे हटा दिया जाएगा। गिलेस्पी ने कहा कि जैसे ही पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने आकिब जावेद को सेलेक्टर बनाया सब कुछ बदल गया।

जर्मन फुटबॉलर पर साथी को जहर देने का आरोप

टीम ट्रिप में हुई थी मौत, बदला लेने के शक में 35 साल के मारियस गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

जर्मनी में 35 साल के फुटबॉलर मारियस को अपने साथी खिलाड़ी फिलिप को जहर देकर मारने के शक में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को शक है कि उसने जून 2025 में टीम की ड्रेसडेन ट्रिप के दौरान 30 साल के फिलिप को चुपके से जहर दिया था।

करीब 15 महीने बाद हुई गिरफ्तारी के बाद पुलिस इस मामले में बदले की आशंका से भी जांच कर रही है।

फिलिप की तबीयत ड्रेसडेन से लौटने के बाद तेजी से बिगड़ गई थी। परिवार ने इमरजेंसी सेवाओं को फोन किया, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसे बचाने की कोशिश की,

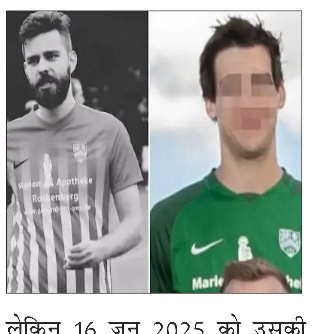

लेकिन 16 जून 2025 को उसकी मौत हो गई। बाद में मेडिकल जांच में मौत की वजह सेप्टिक मल्टी-ऑर्गन फेल्योर सामने आई।

शुरुआत में उसके करीबियों को लगा था कि टीम ट्रिप में मछली खाने के बाद उसे गंभीर फूड पॉइजनिंग हुई होगी। लेकिन बाद की जांच में मौत के पीछे जहर की बात सामने आई। इसके बाद पुलिस ने मामले में मारियस पर शक किया।

रोकनबर्ग में चर्चा है कि दोनों खिलाड़ियों के बीच एक महिला को लेकर विवाद हुआ था। इसी वजह से पुलिस बदले की आशंका को भी जांच का हिस्सा मान रही है। हालांकि, अब तक यह साबित नहीं हुआ है कि यही फिलिप की मौत की वजह थी। मारियस फिलहाल हिरासत में है। उसने पुलिस के सामने आरोपों पर कोई बयान नहीं दिया है। मामले में उसे दोषी भी नहीं ठहराया गया है। उसके या उसके वकीलों की ओर से भी अभी कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। मारियस की गिरफ्तारी से ट्रूस रोकनबर्ग के खिलाड़ी और अधिकारी हैरान हैं।

झेंग क्विनवेन ने सीधे सेटों में हराया, ओसाका भी हारीं, गॉफ और आंद्रीवा टॉप-8 में

इगा स्वियातेक यूएस ओपन से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यूयॉर्क में खेले जा रहे US ओपन के विमेंस सिंगल्स के चौथे राउंड में छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। वहीं, एलेना रायबाकिना ने नाओमी ओसाका को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। रायबाकिना ने ओसाका को 6-1, 6-4 से हराया। इसके अलावा, कोको गॉफ ने हमवतन इवा जॉविक को 6-1, 6-4 से मात दी, जबकि मिर्रा आंद्रीवा ने अनास्तासिया पोटापोवा को हराकर अंतिम-8 में प्रवेश किया।

झेंग क्वालिफाइंग राउंड से मुख्य ड्रॉ में पहुंची थीं और अब US ओपन के क्वार्टर फाइनल में हैं। वे 2021 में एम्मा राडुकानू के बाद

छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक को चीन की झेंग क्विनवेन ने US ओपन से बाहर किया।

इस टूर्नामेंट के विमेंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर हैं। 2024 पेरिस ओलिंपिक की गोल्ड मेडलिस्ट झेंग कभी वर्ल्ड नंबर-4 भी रह चुकी हैं, लेकिन पिछले साल कोहनी की सर्जरी के बाद उनकी रैंकिंग 121 तक गिर गई थी।

दूसरी ओर, स्वियातेक 2022 की US ओपन चैंपियन और छह बार की ग्रैंड स्लैम विजेता हैं। झेंग के खिलाफ हार के बाद वह आर्थर ऐश स्टेडियम से आंसुओं के साथ बाहर गईं। झेंग ने इससे पहले 2024 पेरिस ओलिंपिक के गोल्ड मेडल मैच में भी स्वियातेक को हराया था।

झेंग क्विनवे ने दूसरी बार वापसी की

स्वियातेक को चीन की झेंग क्विनवेन ने हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। स्वियातेक ने पहले सेट में 5-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन झेंग ने लगातार 7 गेम जीतकर सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में उन्होंने स्वियातेक की सर्विस दो बार तोड़ी और 6-3 से मैच जीत लिया। यह झेंग की लगातार दूसरी 0-5 से वापसी है। इससे पहले तीसरे राउंड में उन्होंने मैडिसन कीज के खिलाफ निर्णायक सेट में 0-5 से पिछड़ने के बाद मैच जीता था। उस मुकाबले में उन्होंने मैच पॉइंट भी बचाया था।

एलेना रायबाकिना ने नाओमी ओसाका को 66 मिनट में 6-1, 6-4 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना झेंग से होगा।

रायबाकिना के पास पहली बार वर्ल्ड नंबर-1 बनने का मौका है। झेंग को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचते ही वह आर्यना सबालेंका को पीछे छोड़कर टॉप रैंक हासिल कर लेंगी।

मनोरंजन

3 करोड़ का हर्जाना, सफाई मांगी, दावा- स्टैंडर्ड चार्टेट प्लेन की सफर के बाद आलोचना की

नोरा पर एविएशन कंपनी का मानहानि केस

नई दिल्ली, एजेंसी

एक एविएशन कंपनी ने बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही के खिलाफ 3 करोड़ का मानहानि का मुकदमा दायर किया है। कंपनी ने उनके 'अपमानजनक और गैर-जिम्मेदाराना' कमेंट्स से साख को नुकसान पहुंचने का दावा किया है।

ड्यून्स एविएशन ने यह केस गांधीनगर कोर्ट में दायर किया है। कंपनी के मुताबिक, नोरा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर चार्टर्ड प्लेन का वीडियो शेयर कर उसे 'छोटा', 'टॉय' और 'लेगो एयरप्लेन' कहा था। कंपनी ने नोरा से सार्वजनिक सफाई मांगने के साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से विमान से जुड़े सभी बयान और कंटेंट हटाने की मांग भी की है। सीनियर सिविल जज आर. अग्रवाल की अदालत इस मामले की सुनवाई 25 सितंबर को करेगी।

कंपनी का आरोप है कि 4.6 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स वाली नोरा के लापरवाही भरे बयानों से बुकिंग रद्द हुईं। इससे कंपनी के कमर्शियल कामकाज पर भी बुरा असर पड़ा।

मुकदमे में कंपनी ने कोर्ट से 3 करोड़ का हर्जाना दिलाने की मांग की है। इसके अलावा, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से विमान के बारे में बयान या जिक्र वाले सभी कंटेंट तुरंत हटाने का निर्देश देने की मांग की गई है। कंपनी ने यह भी मांग की है कि नोरा फतेही की ओर से इस मामले में सार्वजनिक स्पष्टीकरण जारी किया जाए। मामले में नोरा की ओर से कोई सफाई सामने आई है या नहीं, यह अभी पता नहीं है।

बुकिंग में 15-20% गिरावट का दावा

कंपनी ने दावा किया कि उसकी बुकिंग में 15-20% की गिरावट आई और कैंसिलेशन बढ़े। कंपनी के अनुसार, जिस विमान से नोरा ने यात्रा की थी, वह स्टैंडर्ड और सही साइज का था।

ड्यून्स एविएशन ने कहा कि विमान पूरी तरह से DGCA-सर्टिफाइड और उड़ान भरने के लायक था। यह विमान एक वैध NSOP के तहत कानूनी रूप से संचालित किया जा रहा था।

> **ड्यून्स एविएशन की ओर से दायर मुकदमे के अनुसार, नोरा ने पिछले साल दिसंबर में मुंबई-जयपुर उड़ान के दौरान सेसना साइटेशन सीजे2 विमान के अंदर वीडियो रिकॉर्ड किए थे। इन वीडियो में उन्होंने विमान को 'छोटा', 'टॉय' और 'लेगो हवाई जहाज' बताया था।**

प्रलय के सेट से रणवीर सिंह का नया लुक वायरल

मुंबई।रणवीर सिंह की अगली फिल्म 'प्रलय' को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ गई है। मुंबई में चल रही शूटिंग से रणवीर का पहला लुक सामने आया है। लंबे बालों में नजर आ रहे रणवीर की पीठ पर एक बच्चा भी दिखाई दे रहा है। लुक सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस ने इसे 'धुरंधर' के उनके किरदार जसकीरत से जोड़ना शुरू कर दिया। फिल्म में रणवीर के साथ कल्याणी प्रियदर्शन भी नजर आएंगी। 'प्रलय' के सेट से सामने आए वीडियो और तस्वीरों में रणवीर सिंह लंबे बालों वाले लुक में दिखाई दे रहे हैं। उनकी पीठ पर एक बच्चा नजर आ रहा है। हालांकि, फिल्म में उनके किरदार और बच्चे के बीच संबंध को लेकर मेकर्स की ओर से अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

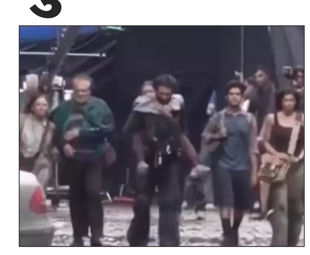

लंबे बाल और पीठ पर बच्चा देख फैंस बोले- जसकीरत फिर लौट आया, बढ़ा फिल्म का बज

सामने आई झलक ने फिल्म की कहानी को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है। रणवीर का लुक सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर फैंस ने उनकी तुलना 'धुरंधर' के किरदार जसकीरत से करनी शुरू कर दी। कई यूजर्स ने कमेंट कर कहा कि 'जसकीरत लौट आया'।

दिलजीत ने फैन की टी-शर्ट से हटवाया अपना नाम

बोले- 'इक ओंकार' पवित्र है इसके साथ मेरा नाम मत लिखो, विदेशी फैन ने मांगी माफी

नई दिल्ली। पंजाबी सिंगर-एक्टर दिलजीत दोसांझ के इटली के मिलान कॉन्सर्ट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वह एक विदेशी फैन की टी-शर्ट देखकर उसे रोकते नजर आए। टी-शर्ट पर सिख धर्म के पवित्र शब्द 'इक ओंकार' के साथ दिलजीत का नाम लिखा था। उन्होंने फैन को समझाया कि 'इक ओंकार' के साथ उनका नाम नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

इसे बेहद पवित्र और अनमोल बताते हुए उन्होंने कहा कि शायद फैन को इसकी जानकारी नहीं थी। इसके बाद फैन ने स्टेज पर हाथ जोड़कर माफी मांगी। दिलजीत ने दर्शकों से भी उसे माफ करने की अपील की।

दिलजीत दोसांझ इन दिनों अपने इंटरनेशनल कॉन्सर्ट्स में व्यस्त हैं। मिलान कॉन्सर्ट के दौरान उन्होंने एक विदेशी फैन को स्टेज पर बुलाया। फैन ने

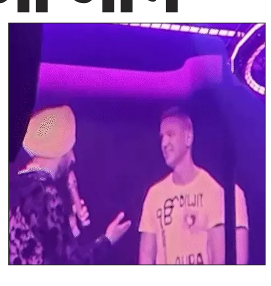

सफेद रंग की कस्टम-प्रिंटेड टी-शर्ट पहन रखी थी। उस पर 'इक ओंकार' के साथ दिलजीत का नाम लिखा हुआ था।

दिलजीत की नजर टी-शर्ट पर पड़ते ही उन्होंने फैन को समझाना शुरू किया। उन्होंने बताया कि 'इक ओंकार' सिख धर्म का बेहद पवित्र शब्द है और इसे उनके नाम के साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

वायरल वीडियो में दिलजीत फैन की टी-शर्ट की ओर इशारा करते हुए समझाते दिखाई देते हैं कि 'इक ओंकार' के साथ उनका नाम नहीं होना चाहिए।

रामानंद सागर के पोते ने रामायण कास्टिंग पर उठाए सवाल, कहा- एनिमल कैरेक्टर का बोझ है

रणबीर को राम के रूप में स्वीकार नहीं कर सकता

मुंबई। रामानंद सागर के पोते और प्रोड्यूसर-डायरेक्टर शिव सागर ने नितेश तिवारी की आने वाली फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर को भगवान राम के रोल में लेने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि 'एनिमल' के बाद वह रणबीर को राम के रूप में स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। शिव सागर ने न्यूज एजेंसी ANI से नितेश तिवारी की रामायण पर कहा, "एक कास्टिंग को छोड़कर मुझे बाकी पूरी कास्टिंग बहुत पसंद है। पर्सनली मैं 'एनिमल' के बाद मैं रणबीर कपूर को राम के रूप में स्वीकार नहीं कर सकता। जब मैं रामजी को देखता हूं, तो मुझे लगता है कि किसी नए चेहरे को लिया जाना चाहिए था।"

उन्होंने आगे कहा, "आप एक बहुत मजबूत सपोर्टिंग कास्ट ले सकते हैं। यश बहुत अच्छे लग रहे हैं और साई पल्लवी भी बहुत अच्छी लग रही हैं। उन दोनों के साथ पिछली भूमिकाओं का इतना बोझ नहीं है। रणबीर के साथ बहुत बोझ है। इसलिए हम आमतौर पर अपने सीरियल्स में नए चेहरे लेते हैं, ताकि उनकी कोई पिछली छवि या इतिहास न हो।"

उन्होंने शिव सागर ने कहा, "हो सकता है कि अगर रणबीर को नहीं लिया जाता, तो फिल्म की मार्केटिंग इतनी अच्छी तरह नहीं हो पाती। इस बारे में भी सोचना चाहिए। लेकिन मेरा निजी मानना है कि ऐसे किरदारों के लिए नया चेहरा लेना बेहतर होता है। क्योंकि 'रामायण' के बाद क्या लोग उन्हें फिर 'एनिमल' जैसी फिल्म में स्वीकार कर पाएंगे? खासकर जब बात रामजी और रामायण की आती है, तो लोग ज्यादा संवेदनशील और भावुक होते हैं।"

शिव सागर ने कहा, "पश्चिमी देशों में इसे माइथोलॉजी कहा जाता है। भारत में भी इसे माइथोलॉजी कहा जाता है, लेकिन यह हमारा इतिहास है। लोग हर दिन उनकी पूजा करते हैं। राम हमारे इतिहास का हिस्सा हैं।"

'रामायणः पार्ट 1' नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही दो हिस्सों वाली फिल्म है।

कास्टिंग के अलावा कॉस्ट्यूम पर भी जताई नाराजगी

शिव सागर ने कुछ कॉस्ट्यूम और कास्टिंग फैसलों पर भी असहमति जताई। उन्होंने कहा, "असल में जनता ही राजा है। जनता जो कहेगी, वही अंतिम फैसला होगा। मुझे कुछ हिस्सों की कास्टिंग और कॉस्ट्यूम पसंद नहीं आए। उन्हें बेहतर किया जा सकता था।" शिव सागर की राय इसलिए भी अहम है, क्योंकि उनके दादा रमनंद सागर ने बेहद लोकप्रिय टीवी सीरियल 'रामायण' बनाया था। शिव सागर ने साई पल्लवी और यश की कास्टिंग की सराहना की और कहा कि आपत्तियों के बावजूद फिल्म की कास्टिंग और क्रिएटिव फैसलों पर दर्शकों की प्रतिक्रिया ही सबसे अहम होगी।

दक्षिणपंथी पार्टी ने विरोध किया, कहा- ऐतिहासिक इमारत पर विदेशी झंडा क्यों

ब्रिटेन के किले पर पाकिस्तान का झंडा फहराने पर विवाद

विरोध

लंदन, एजेंसी

ब्रिटेन के वेल्स में कार्डिफ कैसल (किले) पर पाकिस्तान का झंडा फहराने को लेकर विवाद हो गया है। दक्षिणपंथी रिफॉर्म UK पार्टी ने इसका विरोध किया है।

BBC की रिपोर्ट के मुताबिक रिफॉर्म के सीनियर नेता रॉबर्ट जेनरिक ने सोशल मीडिया पर कार्डिफ कैसल पर पाकिस्तानी झंडा फहराए जाने का वीडियो शेयर किया। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक इमारतों पर विदेशी झंडे फहराया जाना बंद होना चाहिए।

14 अगस्त 2024 को पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस पर कार्डिफ कैसल पर पाकिस्तानी झंडा फहराया गया था। यह तस्वीर एक BBC पत्रकार ने पोस्ट की थी।

ब्रिटेन की राजनीति में करीब 100 साल से लेबर और कंजरवेटिव पार्टी का दबदबा रहा है। लेकिन अब नाइजल फराज की दक्षिणपंथी पार्टी रिफॉर्म UK इस तस्वीर को बदलती दिख रही है। कई सर्वे में पार्टी को करीब 35% लोगों का समर्थन मिल रहा है और वह बाकी पार्टियों से आगे है। रिफॉर्म UK की पकड़ अब सिर्फ इंग्लैंड तक नहीं है। वेल्स और स्कॉटलैंड में भी उसका समर्थन बढ़ रहा है।

इसका सबसे बड़ा नुकसान कंजरवेटिव पार्टी को हो रहा है। कंजरवेटिव लंबे समय से ब्रिटेन की मुख्य दक्षिणपंथी पार्टी रही है। लेकिन 2024 के चुनाव में उसे बड़ी हार मिली और वह सत्ता से बाहर हो गई।

कार्डिफ काउंसिल ने कहा- भारत का झंडा भी फहराया था

कार्डिफ काउंसिल के लेबर नेता क्रिस वीवर ने कहा कि 14 अगस्त को पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस पर झंडा फहराने का मकसद कार्डिफ में रहने वाले पाकिस्तानी समुदाय के योगदान को सम्मान देना था। क्रिस वीवर ने बताया कि 15 अगस्त को भारत के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भारतीय झंडा भी फहराया गया था। काउंसिल के मुताबिक 9 अगस्त को भी एक कार्यक्रम में पाकिस्तानी झंडा फहराया गया था और वह रातभर लगा रहा।

कंजरवेटिव नेता बोलीं- यह सम्मान है, कब्जा नहीं

वेल्श कंजरवेटिव सांसद नताशा असगर ने रिफॉर्म के विरोध की आलोचना करते हुए कहा कि वह पाकिस्तानी, भारतीय और पोलिश समुदायों के झंडा फहराने के कार्यक्रमों में शामिल हो चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि ये कार्यक्रम किसी समुदाय का कब्जा नहीं, बल्कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान दिखाने का तरीका हैं।

ब्रिटेन की रिफॉर्म UK पार्टी के नेता नाइजल फराज 5 सितंबर को बर्मिंघम में पार्टी के कार्यक्रम के दौरान।

> पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता की बड़ी वजह इमिग्रेशन और महंगाई हैं। फराज लगातार उन लोगों का मुद्दा उठाते हैं, जो छोटी नावों से इंग्लिश चैनल पार करके ब्रिटेन पहुंचते हैं और शरण मांगते हैं। रिफॉर्म यूके का कहना है कि बड़ी पार्टियां इमिग्रेशन को रोकने में नाकाम रही हैं।

ईपीएफओ-पोर्टल पर गलत एग्जिट डेट से अटक सकता है पीएफ -ट्रांसफर

नई दिल्ली, एजेंसी

जब आप नौकरी छोड़ते हैं, तो आपकी पुरानी कंपनी को EPFO पोर्टल पर आपकी एग्जिट डेट यानी जॉब छोड़ने की तारीख दर्ज करनी होती है। अगर यह तारीख दर्ज नहीं है या गलत दर्ज हो गई है, तो नए एम्प्लॉयर के पास पीएफ ट्रांसफर अटक सकता है।

इसके अलावा नई कंपनी में बैकग्राउंड वेरिफिकेशन यानी BGV के दौरान भी आपकी नौकरी की तारीखों को लेकर सवाल उठ सकते हैं। अच्छी बात यह है कि इस गलती को सुधारने के लिए कर्मचारियों को हमेशा अपनी पुरानी कंपनी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता।

एम्पलाइज प्रॉविडेंट फंड ऑर्गना-इजेशन अपने UAN-लिंक्ड मेंबर पोर्टल पर एग्जिट डेट खुद अपडेट करने की ऑनलाइन सुविधा देता है।

अगर किसी तकनीकी कारण से पोर्टल आपको ऑनलाइन एग्जिट डेट अपडेट करने की अनुमति नहीं देता है, तो आपको अपने पुराने एम्प्लॉयर से संपर्क करना होगा।

यदि कंपनी कई दिनों या हफ्तों तक आपकी बात नहीं सुनती है या मदद करने से इनकार करती है, तो आप EPFO के शिकायत पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

EPFO रिकॉर्ड्स में दर्ज एग्जिट डेट आपके एम्प्लॉयमेंट और सर्विस रिकॉर्ड का बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा है। पीएफ ट्रांसफर और विड्रॉलः नई नौकरी में जाने पर पुराना पीएफ बैलेंस नए खाते में ट्रांसफर करने के लिए सही एग्जिट डेट होना अनिवार्य है। इससे बाद में पीएफ का पैसा निकालना भी आसान हो जाता है।

ओवरलैपिंग और BGV की समस्याः अगर आपकी एग्जिट डेट गलत है या पोर्टल पर दर्ज नहीं है, तो आपकी पुरानी और नई नौकरी की तारीखों में ओवरलैपिंग यानी एक ही समय में दो जगह काम करना दिख सकता है।

फास्ट न्यूज

आधार-कार्ड खराब होने या खोने पर न हों परेशान

नई दिल्ली। आधार कार्ड एक महत्वपूर्ण डॉक्यूमेंट है। ऐसे में इसके गुम या खराब हो जाने पर आपके कई जरूरी काम रुक सकते हैं। इस कारण आधार जारी करने वाली UIDAI लोगों को PVC आधार ऑनलाइन ऑर्डर करने की सुविधा देता है। UIDAI के अनुसार इसकी आधिकारिक वेबसाइट के जरिए केवल 75 रुपए का फीस देकर PVC आधार कार्ड ऑर्डर किया जा सकता है।

'आईफ़ोन' दूसरी कंपनी का था, फिर एपल को कैसे मिला

नई दिल्ली। एपल का लॉन्चिंग इवेंट कल यानी बुधवार देर रात होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी इसमें आईफोन 18 प्रो, प्रो मैक्स और अल्ट्रा लॉन्च कर सकती है। लेकिन नए आईफोन से पहले जानते हैं उस नाम और फोन की कहानी, जिसने करीब दो दशक में मोबाइल की दुनिया बदल दी।

आपको जानकर हैरानी होगी कि आईफोन नाम शुरू में एपल का था ही नहीं। अमेरिकी नेटवर्किंग कंपनी सिस्को के पास इस नाम का ट्रेडमार्क था। एपल के आईफोन लॉन्च करने के बाद सिस्को ने कंपनी के खिलाफ केस भी किया।

सैमसंग इंडिया में टीवी-होम अप्लायंसेज डिवीजन से छंटनी शुरू

नई दिल्ली । लागत में बढ़ोतरी और सुस्त बिक्री की दोहरी मार झेल रही इलेक्ट्रॉनिक्स दिग्गज सैमसंग इंडिया ने भारत में नौकरियों में कटौती की प्रोसेस शुरू कर दी है। कंपनी अपने टेलीविजन और होम अप्लायंसेज बिजनेस से अधिकारियों और कर्मचारियों की छंटनी कर रही है।

फ्रांस- हिंदू संगठन के दौरे के बाद एफिल टावर बंद

महिला कर्मचारियों को काम से हटाने का आरोप

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस की राजधानी पेरिस में मशहूर एफिल टावर सोमवार को कर्मचारियों की हड़ताल के चलते बंद रहा। मामला शनिवार को हिंदू संगठन बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (BAPS) के करीब 100 सदस्यों के दौरे से जुड़ा है। आरोप है कि BAPS प्रतिनिधिमंडल के आने से पहले कुछ महिला कर्मचारियों को अपनी जगह से हटने के लिए कहा गया, ताकि वहां पुरुष कर्मचारियों को तैनात किया जा सके। इस घटना से महिला कर्मचारी आहत हुईं। उन्हें यह अपमानजनक लगा। मामला बढ़ने के बाद सोमवार को कर्मचारियों ने बैठक की और मैनेजमेंट से बातचीत की।

बात न बनने पर कर्मचारियों ने हड़ताल कर दी। इसके चलते एफिल टावर को बंद रखना पड़ा।

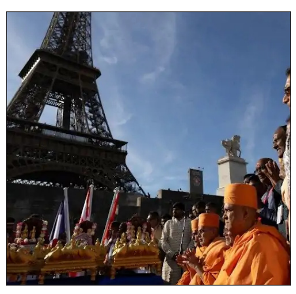

बाद में एफिल टावर के मैनेजमेंट ने भी माना कि उसे ऐसा अनुरोध मानना ही नहीं चाहिए था।

BAPS ने कहा कि करीब 100 लोगों के एफिल टावर दौरे की योजना संगठन और टावर के मैनेजमेंट ने मिलकर बनाई थी। दौरे का समय भी इस तरह तय किया गया था, ताकि दूसरे पर्यटकों को कम से कम परेशानी हो। संगठन के मुताबिक, उसकी जानकारी में किसी को भी एफिल टावर में प्रवेश करने से नहीं रोका गया।

बलूच हमलों से अमेरिकी कंपनी का काम बंद ■ मुनीर ने वॉशिंगटन में दिखाए थे सैंपल

ट्रम्प को रेयर -अर्थ मिनरल नहीं भेज पा रहा पाकिस्तान

लंदन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का ड्रीम प्रोजेक्ट अटक गया है। पाकिस्तान से रेयर अर्थ मिनरल (दुर्लभ खनिज) की अगस्त में प्रस्तावित खेप अमेरिका नहीं भेजी जा सकी। इसके बाद कराची और इस्लामाबाद में अमेरिकी कंपनी यूएस स्ट्रेटेजिक मेटल्स (USSM) के दफ्तरों में काम बंद हो गया है।

पाकिस्तान में रेअर अर्थ मिनरल की ज्यादातर खदानें बलूचिस्तान प्रांत में हैं। इन इलाकों में विद्रोही संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (BLA) का दबदबा है। बलूच हमलों से अमेरिकी कंपनी के लिए काम करना मुश्किल हो गया है। विद्रोहियों ने चागई जिले में रेको दिक खदान तक जाने वाली सड़कों को जाम कर दिया है। रेको दिक में कनाडा की कंपनी बैरिक गोल्ड भी खनन का काम कर रही है। बलूच विद्रोहियों के लगातार हमलों के कारण कंपनी के लिए यहां काम जारी रखना मुश्किल हो गया है। ऐसे में उसके भी काम बंद करने और निवेश से पीछे हटने की आशंका है।

बलूचिस्तान को पाकिस्तान का खनिज भंडार कहा जाता है। यहां के ग्वादर पोर्ट पर चीन का दबदबा है। चीन ने CPEC के तहत ग्वादर और आसपास के इलाकों में करीब 3 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया है।

PAK आर्मी चीफ मुनीर ने पिछले साल व्हाइट हाउस में ट्रम्प को रेयर अर्थ मिनरल का सैंपल दिखाया था।

आर्मी चीफ मुनीर ने वाइट हाउस में किया था 'स्टोन शो'

आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने सितंबर 2025 में वाइट हाउस में 'स्टोन शो' किया था। उन्होंने लकड़ी का एक बॉक्स ट्रम्प को दिखाया था, जिसमें रंग-बिरंगे पत्थर (मिनरल स्पेसिमेन) रखे थे। इन्हें देखकर ट्रम्प बेहद खुश हुए थे। पिछले साल अक्टूबर में अमेरिका भेजी गई पहली खेप में एंटीमनी, कॉपर कॉन्सन्ट्रेट, नियोडिमियम और प्रेजोडिमियम जैसे खनिज शामिल थे। इस प्रोजेक्ट के तहत 2025-26 में मिनरल्स का निर्यात, 2027-28 में पाकिस्तान में मिनरल प्रोसेसिंग और 2029 में बड़े पैमाने पर खनन शुरू करने की योजना थी।

> रेयर अर्थ मटेरियल 17 रासायनिक तत्वों का समूह है। इनका इस्तेमाल कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर मिलिट्री उपकरणों तक में होता है। स्मार्टफोन, कंप्यूटर, इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर ऊर्जा और कई आधुनिक तकनीकों में इनकी अहम भूमिका है। इनका इस्तेमाल आईटी, केमिकल और ऑयल रिफाइनिंग जैसी इंडस्ट्रीज में भी होता है। आधुनिक तकनीक और हाई-टेक उपकरणों में इनकी मांग लगातार बनी हुई है।

11 सितंबर को पीएम मोदी के साथ बैठक करेंगे, व्यापार और यूक्रेन युद्ध पर चर्चा होगी

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ब्रिक्स समिट के लिए भारत आएंगे

नई दिल्ली/मॉस्को, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन BRICS समिट में शामिल होने के लिए भारत आएंगे। 11 सितंबर को नई दिल्ली में BRICS नेताओं की बैठक से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पुतिन की द्विपक्षीय बैठक होगी।

रूस के राष्ट्रपति ऑफिस क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने इस मुलाकात की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि भारत को रूस अपना रणनीतिक साझेदार मानता है और दोनों देशों के रिश्ते उसके लिए बेहद अहम हैं।

उन्होंने बताया कि भारत और रूस के बीच ज्यादातर भुगतान अब दोनों देशों की अपनी-अपनी करेंसी में हो रहा है।

BRICS 11 प्रमुख उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों का एक समूह है। इनमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, UAE, सऊदी अरब और इंडोनेशिया शामिल हैं। इसका मकसद इन देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक सहयोग को बढ़ावा देना है। इसमें शुरुआत में 4 देश थे, जिसे BRIC कहा जाता था। यह नाम 2001 में गोल्डमैन सैक्स के अर्थशास्त्री जिम ओ'नील ने दिया था।

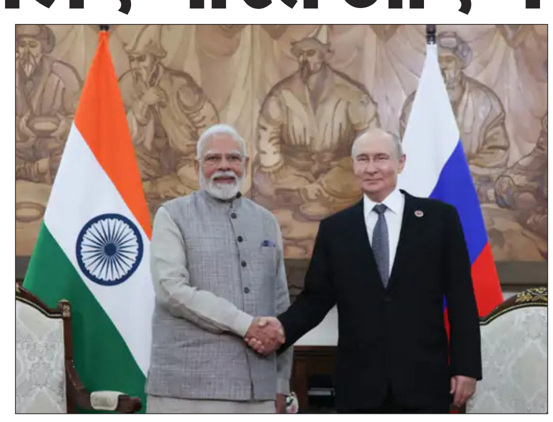

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 31 अगस्त को बिश्केक में SCO समिट के दौरान मुलाकात की थी।

व्यापार और आर्थिक सहयोग पर चर्चा होगी

मोदी और पुतिन की बैठक में व्यापार और आर्थिक सहयोग पर भी बात होगी। दोनों देश आपसी कारोबार बढ़ाने और अपनी कंपनियों के लिए नए मौके तलाशने पर चर्चा कर सकते हैं। भारतीय कंपनियां रूस के बाजार में कारोबार बढ़ाने में रुचि दिखा रही हैं। वहीं रूस भी भारत में अपनी कंपनियों और उत्पादों की पहुंच बढ़ाना चाहता है। दोनों देशों के बीच परिवहन और इससे जुड़ी अंतरराष्ट्रीय परियो-जनाओं पर भी बात हो सकती है।

यूक्रेन युद्ध और खाड़ी संकट भी बातचीत का मुद्दा

बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध और मौजूदा हालात पर भी चर्चा हो सकती है। दोनों नेता युद्ध की स्थिति और उसके असर पर बात कर सकते हैं। फारस की खाड़ी में जारी तनाव भी बातचीत का हिस्सा बन सकता है। रूस का कहना है कि खाड़ी में चल रही घटनाओं का असर दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। ऐसे में दोनों नेता इसके आर्थिक और रणनीतिक असर पर भी चर्चा कर सकते हैं।

कनाडाई बॉम्बार्डियर प्लेन अमेरिका में नहीं बिकेंगे : ट्रम्प

कहा- हमारे बाजार चाहिए तो यहीं बनाओ, यूएस को पिगी बैंक मत समझो

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कनाडा की विमान कंपनी बॉम्बार्डियर को अमेरिका में विमान बेचने से रोकने की धमकी दी है।

ट्रम्प ने कहा कि अगर बॉम्बार्डियर को हमारे बाजार में कारोबार करना है तो उसे विमान अमेरिका में ही बनाने होंगे। उन्होंने कहा कि कनाडा अमेरिका के बाजार का गलत फायदा उठा रहा है।

ट्रम्प की धमकी ऐसे समय पर आई है जब कनाडा ने अमेरिका के 20 अरब डॉलर के सामान पर जवाबी टैरिफ लागू कर दिया है।

ट्रम्प ने सोमवार को ट्रुथ सोशल पर लिखा,अमेरिका में बॉम्बार्डियर विमान की बिक्री अब नहीं होगी। उन्हें अमेरिका को पिगी बैंक समझना बंद करना होगा। अमेरिका बॉम्बार्डियर कंपनी के लिए बेहद अहम बाजार है। आधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक 2025 में बॉम्बार्डियर की कुल आय 9.55 अरब डॉलर रही। इस कमाई का बड़ा हिस्सा अमेरिका से आता है लेकिन रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं है कि कमाई का 50 प्रतिशत अमेरिका में किए गए कारोबार से आया। ट्रम्प की धमकी के बाद बॉम्बार्डियर कंपनी ने कहा कि उसका अमेरिका में बड़ा कारोबार है और इससे वहां हजारों लोगों को नौकरी मिलती है। कंपनी ने बताया कि उसकी सप्लाई चेन में अमेरिका के 47 राज्यों की करीब 2,800 कंपनियां शामिल हैं।

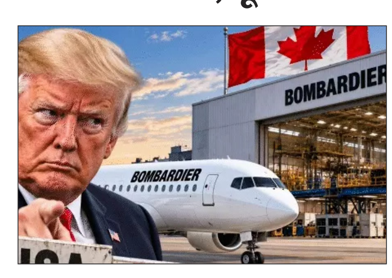

बॉम्बार्डियर ने यह भी कहा कि उसके विमानों में अमेरिका में बने इंजन, एवियोनिक्स और कई दूसरे अहम उपकरण इस्तेमाल होते हैं। कंपनी इस साल इंडियाना के फोर्ट वेन में अपनी नई फैसिलिटी भी शुरू करने वाली है।

कनाडाई कंपनी बॉम्बार्डियर को लेकर ट्रम्प पहले भी सख्त रुख अपना चुके हैं। जनवरी में उन्होंने कंपनी के विमानों का अमेरिका में सर्टिफि-केशन रद्द करने और कनाडाई विमानों पर 50% टैरिफ लगाने की धमकी दी थी।

आरोप : सऊदी के 4 शहरों पर हूती विद्रोहियों का हमला, 73 घायल, यमन में एयरस्ट्राक के बाद तनाव बढ़ा

मिडिल ईस्ट में एक और संघर्ष शुरू

सना, एजेंसी

यमन में हूतियों और सऊदी अरब के बीच तनाव फिर बढ़ गया है। हूतियों विद्रोहियों ने सोमवार को सऊदी के 4 शहरों पर हमला किया। इसमें 73 लोग घायल हुए। इसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

सऊदी में अबहा एयरपोर्ट, किंग खालिद एयरबेस और अरामको की कुछ फैसिलिटी पर भी हमले की खबर है।

इन हमलों से कुछ घंटे पहले हूती विद्रोहियों ने आरोप लगाया था कि सऊदी अरब ने अल-हज्म शहर में एक जेल पर हमला किया था। इस हमले में 11 लोग मारे गए।

मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है। वह अपनी मां के साथ अपने पिता से मिलने आया था। जेल के वार्डन के मुताबिक, मलबे में एक महिला समेत 35 कैदी अभी भी फंसे हुए हैं। यमन सरकार का कहना था कि हूती अधिकारी यमन की राष्ट्रीय एयरलाइन से ही वापस लौटें। उन्हें ईरान की एयरलाइन में आने नहीं दिया जाएगा। वहीं हूती ईरानी विमान को सीधे सना में उतारने पर अड़े रहे। इसके बाद सरकार समर्थित फोर्स ने सना एयरपोर्ट के रनवे को बम से उड़ा दिया, ताकि ईरानी विमान वहां उतर न सके। नतीजतन, हूती नेताओं वाला प्लेन सना एयरपोर्ट पर उतर ही नहीं सका। प्लेन ने अपना रास्ता बदलकर हूदैदाह एयरपोर्ट पर लैंडिंग की, जो हूतियों के कंट्रोल में है।

हूती और सऊदी के बीच विवाद की शुरुआत

हूती और सऊदी के बीच ताजा विवाद 13 जुलाई को शुरू हुआ। दरअसल, कुछ हूती नेता अली खामेनेई की अंतिम यात्रा में शामिल होने के बाद ईरान से यमन लौट रहे थे। लेकिन यमन की सऊदी समर्थित सरकार ने इस प्लेन को सना एयरपोर्ट पर उतरने ही नहीं दिया।

सऊदी बोला- हमले का बदला लेंगे

सऊदी नेतृत्व वाले यमन गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी ने मंगलवार को कहा कि हूतियों ने सऊदी अरब में नागरिक और आर्थिक ठिकानों पर हमले किए। उन्होंने कहा कि ये हमले सऊदी की संप्रभुता के खिलाफ हैं और आम लोगों के लिए खतरा हैं। अल-मलिकी ने कहा कि गठबंधन इन हमलों का जवाब देगा और खतरे को रोकने के लिए जरूरी सैन्य कार्रवाई करेगा। उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि हूतियों ने ये हमले किस समय किए थे।

सऊदी अरब से आने वाले ट्रकों पर हमले के बाद लगी आग। हूतियों का दावा है कि उन्होंने सऊदी सीमा से यमन में आने वाले ट्रकों को निशाना बनाया।

यमन में फिर तेज हुई लड़ाई

यमन में 2022 में संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से संघर्षविराम हुआ था। इसके बाद बड़े स्तर की लड़ाई काफी कम हो गई थी, लेकिन दोनों पक्षों के बीच कोई स्थायी शांति समझौता नहीं हुआ था। 2026 में हालात फिर बिगड़ने लगे। यमन में हूतियों और सऊदी समर्थित यमनी सेना के बीच हमले बढ़ गए। दरअसल, ईरान अमेरिका के साथ जंग में फंसा हुआ है।

चांदी 2,406 बढ़कर 2.34 लाख किलो पर पहुंची

10 ग्राम सोना 606 महंगा होकर 1.53 लाख का हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 8 सितंबर को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 606 रुपए बढ़कर 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गई है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत आज 2,406 रुपए बढ़कर 2.34 लाख रुपए हो गई है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 19 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.34 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था। सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदेंः हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

कीमत क्रॉस चेक करेंः सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसि-एशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676